E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 236 | गुवाहाटी | सोमवार, 25 मार्च, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सूचना

सभी एजेंटों, हॉकरों, ग्राहकों और विज्ञापनदाताओं को **विकसित भारत समाचार** परिवार की ओर से रंगों के त्योहार होली की शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 25 मार्च को कार्यालय में अवकाश रहेगा। हम 27 मार्च के अंक के साथ आपकी सेवा में प्रस्तुत होंगे।

- संपादक

अगर वह समन का जवाब देते तो... पेज 2

पीजी स्टूडेंट यूनियन छात्रसंघ की अभाविप को बैन करने की बात ... पेज 3

वाराणसी में प्रधानमंत्री मोदी के मुकाबले कांग्रेस ने अजय राय पर फिर लगाया दांव पेज 5

अल्काराज, सिनर, मेदवेदेव शुरुआती मैच जीत, सितसिपास हारे पेज 7

सुप्रभात

मन्त्रणा की संपत्ति से ही राज्य का विकास होता है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

राष्ट्रपति और पीएम ने देशवासियों को दीं होली की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। देश में सोमवार को होली मनाई जाएगी, जबकि कुछ हिस्सों में मंगलवार को होली का त्योहार मनाया जाएगा। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देशवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने होली की -शेष पृष्ठ दो पर

होली की छुट्टी नहीं

गुवाहाटी। देश में इस वक्त होली की तैयारी चल रही है। देशभर में होली के दिन छुट्टी रहती है, लेकिन एक राज्य ऐसा भी जिसके कुछ इलाकों में इस दिन अवकाश नहीं रहेगा। दरअसल, चुनाव आयोग ने असम सरकार को सभी चुनाव वाले जिलों में होली के त्योहार को लेकर 26 मार्च को छुट्टी घोषित नहीं करने का निर्देश दिया है। हालांकि, जहां जिन जिलों में दूसरे और तीसरे चरण में चुनाव होने वाले हैं, -शेष पृष्ठ दो पर

बाल विवाह-बहुविवाह बंद करें, तभी मूल निवासी बांग्लाभाषी मुसलमान : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बंगाली भाषी बांग्लादेशी मुसलमानों को राज्य में नागरिक के रूप में मान्यता देने के लिए शर्त रखी है। उन्होंने कहा कि असम के *खिलौंजिया* मूलनिवासी माने जाने के लिए *मिया* (बंगाली भाषी मुसलमानों) को बाल विवाह और बहुविवाह जैसी प्रथाओं को त्यागना होगा, तभी राज्य की नागरिकता बहाल रहेगी। राज्य के बंगाली भाषी मुस्लिम समुदाय के अधिकांश सदस्यों की जड़ें बांग्लादेश में हैं। शर्मा का यह बयान केंद्र द्वारा पिछले महीने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू करने के बाद आया है। शर्मा के बयान से विवाद पैदा हो गया है। शर्मा ने कहा कि मिया स्वदेशी हैं या नहीं यह एक अलग मामला है। हम जो कह रहे हैं वह यह है कि अगर वे *स्वदेशी* होने की कोशिश करते हैं, तो हमें कोई समस्या नहीं है, लेकिन इसके लिए, उन्हें बाल विवाह और बहुविवाह को त्यागना होगा और महिलाओं को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना होगा। बता दें कि *मिया* शब्द का इस्तेमाल असम में रहने वाले बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए किया जाता है और मियां को एक अपमानजनक शब्द माना जाता है। गैर-बंगाली भाषी लोग मियां को मूलत: बांग्लादेशी अप्रवासी के रूप में पहचानते हैं। हाल के वर्षों में, समुदाय के कार्यकर्ताओं ने अवज्ञा के संकेत के रूप में इस शब्द को अपनाना शुरू हुआ

है। शर्मा ने कहा कि दो या तीन बार शादी करना असमिया संस्कृति नहीं है। उन्होंने कहा कि मिया यदि असम के नागरिक होना चाहते हैं, तो उन्हें दो-तीन पत्नियां नहीं रखनी होगी। यह असमिया संस्कृति नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई वैष्णव मठ की भूमि का अतिक्रमण करे और स्वदेशी भी रहे। यह नहीं हो सकता है। शर्मा ने कहा कि ये लोग जिन्हें मिया कहा जाता है, अगर वे स्वदेशी असमिया बनना चाहते हैं तो वे अपनी नाबालिग बेटियों की शादी नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री ने उनसे अपने बच्चों को मदरसों के बजाय स्कूलों में भेजने का भी आग्रह किया और उन्हें डॉक्टर और इंजीनियर के रूप में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। शर्मा ने पहले कहा था कि राज्य सरकार राज्य में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए मजबूत कानून बनाने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा था कि 2023 में विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि राज्य सरकार यह कानून बनाने में सक्षम है। असम सरकार ने -शेष पृष्ठ दो पर

सूअर की किडनी का इंसान में सफल ट्रांसप्लांट

वाशिंगटन। किडनी खराब होने के कारण जिंदगी और मौत से जूझ रहे मरीजों के लिए अच्छी खबर है। अमरीका में मैसाचुसेट्स अस्पताल के डॉक्टरों ने पहली बार आनुवांशिक रूप से संशोधित सूअर की किडनी का इंसान में ट्रांसप्लांट कर दिया है। डॉक्टरों ने मीडिया में इस कारनामे का खुलासा करते हुए कहा है कि 62 साल के रिचर्ड स्लायमेन में सफल किडनी ट्रांसप्लांट किया गया है और उन्हें बहुत जल्द अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक

अमरीका के बोस्टन शहर में डॉक्टरों ने 16 मार्च को रिचर्ड का किडनी ट्रांसप्लांट किया है। यह खबर अपने आप में बहुत बड़ी है क्योंकि दुनिया में तेजी से लोगों की किडनी खराब हो रही है और इनमें से अधिकांश में किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है। यह किडनी आमतौर पर अपने निकट रिश्तेदारों से ही मैच होती है, दूसरी ओर लोग किडनी दूसरों को देना भी नहीं चाहते हैं। ऐसे में अगर सूअर से ही किडनी मिल जाए तो यह पूरी दुनिया के लिए बहुत राहत भरी बात -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान के पंजाब की संसद में मोदी को लेकर नारे

पेशावर। पाकिस्तान में नई शहबाज शरीफ सरकार के आने के बाद भारत के साथ उसके रिश्तों में बदलाव की आशा दिख रही थी। लेकिन हाल ही में पाकिस्तान के पंजाब असेंबली में भारत विरोधी नारे लगने के बाद इस उम्मीद पर पानी फिर गया लगता है। इस नारेबाजी को लेकर वहां के यूट्यूबर सोहैब चौधरी ने एक वीडियो भी शेयर किया है। रियल एंटरटेनमेंट टीवी नाम के यूट्यूब अकाउंट से साझा किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि पाक -शेष पृष्ठ दो पर

केरल सरकार राष्ट्रपति मुर्मु के खिलाफ पहुंची सुप्रीम कोर्ट

तिरुवनंतपुरम। भाजपा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख करने के कदम के लिए केरल की वामपंथी सरकार की रविवार को

आलोचना करते हुए कहा कि यह महिलाओं और आदिवासी समुदायों के प्रति मार्क्सवादी पार्टी के भेदभाव को दर्शाता है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने आरोप लगाया कि सीपीआई (एम) ने हमेशा *महिला विरोधी* रुख अपनाया है और उन्होंने तब भी विरोध -शेष पृष्ठ दो पर

महुआ मोइत्रा और दर्शन हीरानंदानी के खिलाफ एफआईआर

कोलकाता (हि.स.)। घूस लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में आरोपित तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले में जो प्राथमिकी दर्ज की है, उसमें उन्हें मुख्य आरोपित बनाया गया है। साथ ही मशहूर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी को भी आरोपित बनाया गया है। सीबीआई के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि शनिवार

को उनके ठिकानों पर तलाशी अभियान के बाद कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं जिसके आधार पर यह प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके पहले गुरुवार को उनके खिलाफ रेगुलर केस दर्ज किया गया था जिसे रविवार को एफआईआर में तब्दील किया गया है। सीबीआई ने शनिवार को कोलकाता के अलीपुर इलाके में स्थित महुआ के पिता के आवास सहित उनके चार ठिकानों पर छापा मारा था।

कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा भाजपा में शामिल हो सकते हैं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा किसी भी समय भाजपा में शामिल हो सकते हैं। आज मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के अधिकांश नेता उनके संपर्क में हैं। यदि कोई नेता सरकार के विरुद्ध दिन में कुछ बोलता है तो शाम को उन्हें फोन करके बताता है कि इसके लिए बुरा नहीं माने। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे नहीं, बल्कि किसी विशेष कारण से वे कह रहे हैं कि शीघ्र ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भाजपा में शामिल होंगे।

लेह में तैनात जवानों के साथ रक्षामंत्री ने मनाई होली

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को चीन की सीमा पर लेह (लद्दाख) में सशस्त्र बल के जवानों के साथ होली मनाई। रक्षा मंत्री ने जवानों को रंग-गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर उन्हें होली की बधाई दी। पहले उन्हें सियाचिन में सैनिकों के साथ होली मनाने के लिए जाना था लेकिन आज सुबह विपरीत मौसम के चलते अचानक उनका कार्यक्रम बदल दिया गया। उन्होंने कहा कि हमारे देवी-देवता किसी न किसी तरीके से हमारी रक्षा ही करते हैं। उसी तरह दुश्मनों से हमारी रक्षा करते हुए सभी सैनिक भी हमारे लिए किसी रक्षक देवता से कम नहीं हैं। रक्षा मंत्री दीपावली और होली का त्योहार देश की

किसी न किसी सीमा पर जाकर सैनिकों के साथ मनाते हैं। उन्होंने पिछले साल 06 मार्च को स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस *विक्रांत* पर तैनात नौसैनिकों को गुलाल लगाकर उनके साथ होली की खुशियां साझा कीं थीं। इस बार उन्हें दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पर तैनात जवानों के साथ होली मनाने के लिए जाना था लेकिन विपरीत मौसम के चलते राजनाथ सिंह उत्तरी सीमा पर लेह (लद्दाख) में सशस्त्र बल के जवानों के साथ होली मनाने के लिए पहुंचे। होली से एक दिन पहले रक्षा मंत्री ने जवानों को रंग-गुलाल लगाया और त्योहार की बधाई दी। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले रक्षा मंत्रालय का दायित्व मिलने के बाद मेरा पहला दौरा सियाचिन का ही हुआ था। आज मौसम खराब होने के कारण सियाचिन जाना संभव नहीं हो पाया, इसलिए -शेष पृष्ठ दो पर

आईआईटी गुवाहाटी के दो छात्र आईएसआईएस में : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज बताया कि आईआईटी गुवाहाटी के दो छात्र चरमपंथी इस्लामिक संगठन आईएसआईएस के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें से एक छात्र को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दूसरे को आज गिरफ्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरफ्तार छात्र दिल्ली के बाटला हाउस के नजदीक का रहने वाला है। उसके माता-पिता को खबर दे दी गई है। वह स्पष्ट रूप से चरमपंथी भावनाओं से प्रेरित है। इसी बीच शनिवार को आईएसआईएस में शामिल होने की -शेष पृष्ठ दो पर

अमरावती में एसटी बस खाई में गिरी, तीन की मौत 36 घायल

मुंबई (हि.स.)। अमरावती जिले के चिखलदरा के पास मड्डी के पास रविवार को दिन में साढ़े 11 बजे एक एसटी बस अनियंत्रित होकर 25 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस घटना में दो महिलाओं समेत 3 लोगों की मौत हो गई है और 36 से अधिक यात्री घायल हो गए हैं। घायलों का इलाज सेमाडोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हो रहा है। पुलिस के अनुसार एसटी बस आज सुबह अमरावती से मध्यप्रदेश की ओर जा रही थी। चिखलदरा -शेष पृष्ठ दो पर

महाकाल के प्रांगण में होली का आगाज

उज्जैन (हि.स.)। मध्य प्रदेश की धर्मनगरी उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के आंगन से देश में होली पर्व का आगाज हुआ। रविवार तड़के चार बजे भस्म आरती में भगवान महाकाल के साथ फूलों की होली खेली गई। रविवार शाम को संध्या कालीन आरती (शाम 6.30 बजे) के बाद मंदिर प्रांगण में होलिका दहन होगा। परम्परा के अनुसार महाकालेश्वर मंदिर में फाल्गुन शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी के अवसर पर रविवार तड़के भस्म आरती की गई। इस दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे-पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। इसके पश्चात भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष व कमल के पुष्पों की माला धारण करवाई गई। इस श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज चतुर्दशी की भस्मआरती में भगवान महाकाल का नवीन मुकुट पहनाकर त्रिपुंड के साथ मस्तक पर सर्प लगाकर मखाने की माला और पगड़ी पहनकर राजसी श्रृंगार किया गया। इसके बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई और गुजिया का भोग भी लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने भगवान महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म -शेष पृष्ठ दो पर

भोजशाला में एएसआई का सर्वे तीसरे दिन भी

धार (हि.स.)। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के आदेश पर धार की ऐतिहासिक भोजशाला का आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) सर्वे तीसरे दिन रविवार को भी चल रहा है। हिंदू पक्ष के गोपाल शर्मा व आशीष गोयल और मुस्लिम पक्ष के अब्दुल समद खान भी सर्वे टीम के साथ मौजूद हैं। भोजशाला परिसर के साथ-साथ बाहर ही सुरक्षा के

पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की टीम ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के आदेश पर बीते शुक्रवार को यहां सर्वे शुरू किया था। सर्वे के तीसरे दिन मजदूरों ने भोजशाला परिसर में प्रवेश किया। परिसर में प्रवेश देने से पहले उनकी पूरी जांच की गई। उनके उपकरण -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर असम के सीएम शर्मा का वार, कहा-

अगर वह समन का जवाब देते तो...

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कई समन की अनदेखी करना खुद की गिरफ्तारी को आमंत्रित करने के समान है। अगर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के शुरुआती समन का केजरीवाल ने जवाब दिया होता तो उनकी गिरफ्तारी को टाला जा सकता था। शर्मा ने आगे कहा कि जब किसी को आठ से नौ बार तलब किया जाता है और वह इन समन का सम्मान नहीं करता है, तो इसका मतलब केवल यह है कि व्यक्ति अपनी गिरफ्तारी को आमंत्रित कर रहा है। अगर वह पहली बार तलब किए जाने पर ईडी के पास गए होते, तो वह गिरफ्तार नहीं होते। मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) रविवार को पूरी दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करेगी। इस दौरान होलिका दहन के समय पुतला फूंका जाएगा और कैंडल मार्च निकाला जाएगा। आप के राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि केंद्र सरकार

देश की संस्थाओं को खत्म कर रही है। जो भी भाजपा के खिलाफ बोलता है, उसके पीछे ईडी और सीबीआई छोड़ दी जाती है। आप का मानना है कि यह गिरफ्तारी भाजपा सरकार को हटाने का एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद केजरीवाल ने शनिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। कोर्ट में उन्होंने अपनी गिरफ्तारी और निचली अदालत द्वारा 22 मार्च को जारी रिमांड के आदेश को चुनौती दी है। आम आदमी पार्टी ने शनिवार को दावा किया है कि दिल्ली शराब नीति घोटाले के 60 करोड़ का मनी ट्रेल भाजपा के खाते में मिला है। मंत्री व आप नेता आतिशी ने कहा कि इस मामले में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की गिरफ्तारी होनी चाहिए। चुनावी बांड की जानकारी सार्वजनिक होते ही भाजपा और शराब कारोबारी शरत रेड्डी के बीच मनी ट्रेल का लिंक सामने आ गया है। गिरफ्तारी से पहले शरत रेड्डी ने भाजपा को 4.5 करोड़ दिए थे और गिरफ्तारी के बाद 55 करोड़ रुपए दिए। आतिशी ने दावा किया कि ईडी की तरफ से मुख्य साजिशकर्ता बनाया गया शरत रेड्डी का पूर्व में बयान था कि वह अरविंद केजरीवाल को नहीं जानते, लेकिन बाद में पलट गए। अब रेड्डी के बयान के आधार पर सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई है। इस मामले में दो साल से सीबीआई-ईडी की जांच चल रही है, लेकिन जांच में पैसा कहां गया, क्या घोटाला हुआ इस बारे में जांच एजेंसियां कोर्ट को कुछ बता नहीं पाईं।

असम कांग्रेस मीडिया सेल प्रमुख ने इस्तीफा दिया

गुवाहाटी। कांग्रेस विधायक भरत चंद्र नरह ने रविवार को असम में पार्टी के मीडिया सेल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। नरह का इस्तीफा उनकी पत्नी और पूर्व केंद्रीय मंत्री रानी नरह को लखीमपुर लोकसभा क्षेत्र से पार्टी का टिकट नहीं दिए जाने के एक दिन बाद आया है। कांग्रेस ने इस सीट से उदय शंकर हजारिका को उम्मीदवार बनाया। नरह ने पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा को भेजे गए एक पंक्ति के इस्तीफे पत्र में लिखा कि मैं असम पीसीसी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष के रूप में अपने पद से तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा दे रहा हूं। पार्टी सूत्रों ने कहा कि रानी नरह और हजारिका, जो कुछ महीने पहले सत्तारूढ़ भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे, कथित तौर पर लखीमपुर से नामांकन के लिए करीबी मुकाबले में थे। रानी नरहह लखीमपुर से तीन बार सांसद हैं और उन्होंने राज्यसभा में भी एक कार्यकाल पूरा किया है। सूत्रों ने कहा कि हालांकि हजारिका पार्टी में एक नया चेहरा हैं, लेकिन उन्हें राज्य कांग्रेस प्रमुख का मजबूत समर्थन प्राप्त है। हजारिका का सीधा मुकाबला भाजपा उम्मीदवार प्रदान बरुआ से है, जो निर्वाचन क्षेत्र में लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। लखीमपुर के लिए कांग्रेस उम्मीदवार की घोषणा शनिवार को की गई, जबकि राज्य की 12 अन्य सीटों के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की घोषणा 12 मार्च को की गई। असम की 14 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस 13 पर चुनाव लड़ रही है और एक निर्वाचन क्षेत्र में असम जातीय परिषद (एजेपी) के उम्मीदवार का समर्थन कर रही है। कांग्रेस और एजेपी दोनों 16-पार्टी यूनाइटेड विपक्षी फोरम, असम (यूओएफए) के सदस्य हैं, जिसका गठन लोकसभा चुनाव एक साथ लड़ने के लिए किया गया था। निवर्तमान लोकसभा में राज्य से कांग्रेस के तीन सांसद हैं, जबकि भाजपा के पास नौ और एआईयूडीएफ तथा एक-एक निर्दलीय सांसद हैं।

महाराष्ट्र की हर सीट पर उम्मीदवार उतारेगा मराठा समाज

मुंबई (हि.स.)। मराठा समाज की ओर से लोकसभा चुनाव में हर सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में उतारने का महत्वपूर्ण निर्णय रविवार को जालना जिले में आयोजित बैठक में लिया गया है। बैठक खत्म होने के बाद मराठा नेता मनोज जारांगे ने पत्रकारों को बताया कि इसके पहले मराठा समाज ने महाराष्ट्र की हर संसदीय सीट पर हजारों की संख्या में उम्मीदवार उतारने का निर्णय लिया था। इसी संबंध में मराठा समाज के आला नेताओं ने जालना जिले के अंतरवाली सराटी में बैठक का आयोजन किया था। इस बैठक में तय किया गया कि हर संसदीय सीट पर हजारों की संख्या में उम्मीदवार उतारने की बजाय सूबे ही हर संसदीय सीट पर मराठा समाज का एक ही निर्दलीय उम्मीदवार उतारा जाए। बैठक में तय किया गया है कि मराठा समाज किसी भी राजनीतिक दल के प्रचार में शामिल नहीं होगा।

भाजपा ने जारी की उम्मीदवारों की पांचवीं सूची

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी कर दी है। रविवार को जारी सूची में 111 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। अभिनेत्री कंगना रनौत को हिमाचल प्रदेश के मंडी से और रामायण में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल को मेरठ से उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ आज ही कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए नवीन जिंदल को कुरुक्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। रविवार को जारी उम्मीदवारों की सूची में आंध्रप्रदेश से 06, बिहार से 15, गोवा से 01, गुजरात से 06, हरियाणा से 04, हिमाचल प्रदेश से 02, झारखंड से 03, कर्नाटक से 04, केरल से 03, महाराष्ट्र से 03, मिजोरम से 01, ओडिशा से 18, राजस्थान से 07, सिक्किम से एक, तेलंगाना से 02, उत्तर प्रदेश 13 और पश्चिम बंगाल से 19 सीटें शामिल हैं। भाजपा की इस सूची में हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन दुमका से, रविशंकर प्रसाद पटना साहिब से, गिरीराज सिंह बेगुसराय से, धर्मेंद्र प्रधान संभलपुर से, प्रताप सारंगी बालासोर से, संबित पात्रा पुरी से, मेनका गांधी सुल्तानपुर से और जितिन प्रसाद पीलीभीत से उम्मीदवार बनाए गए हैं।

मॉस्को अटैक : हमलावरों की गिरफ्तारी का रूस का दावा

मॉस्को (हि.स.)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया है कि राजधानी मॉस्को के बाहरी इलाके के कॉन्सर्ट हॉल में शुक्रवार रात गोलीबारी करने वाले चारों हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हमले में कम-से-कम 133 लोगों की मौत हो गई जबकि 140 लोग घायल हुए। इस मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि चार बंदूकधारियों को यूक्रेन की तरफ भागते हुए पकड़ा गया। जबकि यूक्रेन ने इस हमले में उसका हाथ होने से साफ इनकार किया है। शनिवार को राष्ट्रपति पुतिन ने देश को संबोधित करते हुए 24 मार्च को राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। पुतिन ने कहा कि हमलावरों ने यूक्रेन की तरफ भागने की कोशिश की। सभी को पकड़ लिया गया है, उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने हमले को बर्बर आतंकी कृत्य करार दिया है। हालांकि यूक्रेन ने हमले में हाथ होने से इनकार किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन मॉस्को के कॉन्सर्ट हॉल में हमले का आरोप उनके देश पर मढ़ना चाहते हैं। हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट के एक धड़े ने ली है। बीते दो दशकों में रूस पर हुए इस सबसे बड़े हमले में रूस ने अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 4 हमलावर हैं और 7 लोग उनकी मददगार बताए गए हैं। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी चेयरपर्सन दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि रूस खून का बदला खून से लेगा। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार रात 22 मार्च को हमला उस समय हुआ जब क्रॉकस सिटी हॉल में प्रसिद्ध रूसी रॉक बैंड के कार्यक्रम में दर्शकों का बड़ा समूह वहां जमा था। सेना जैसी वर्दी पहने 4 आतंकियों ने अंधाधुंध गोलियां चलाईं, बम फेंके और फरार हो गए। आईएसआईएस-खुरासान ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

लोस चुनाव : भाजपा ने बिहार की 17 सीटों पर घोषित किए उम्मीदवार

पटना (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार देरशाम लोकसभा उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी कर दी है। इनमें बिहार की सभी 17 सीटों की भी स्थिति स्पष्ट हो गई है। भाजपा ने बिहार की तीन सीटों पर नए चेहरों को मौका दिया है जबकि तीन सांसदों का टिकट काट दिया है। इनमें एक नाम केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे का भी है। भाजपा ने बक्सर से अश्विनी चौबे के बदले मिथलेश तिवारी, मुजफ्फरपुर से अजय निषाद के बदले राजभूषण निषाद और सासाराम से छेदी पासवान के बदले शिवेश राम को टिकट दिया है। बिहार में भाजपा ने जिन 17 उम्मीदवारों की घोषणा की है। उनमें पश्चिम चंपारण से डॉ. संजय जयसवाल, पूर्वी चंपारण से राधा मोहन सिंह, मधुबनी से अशोक कुमार यादव, अररिया से प्रदीप कुमार सिंह, दरभंगा से गोपाल जी ठाकुर, मुजफ्फरपुर से राजभूषण निषाद।

31 मार्च को रामलीला मैदान में महारैली करेगा विपक्ष

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता गोपाल राय ने रविवार को कहा कि विपक्षी दलों का गठबंधन *इंडिया देश के हितों और लोकतंत्र की रक्षा* के लिए 31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली करेगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के मामले के संबंध में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (55) को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया था जिसके बाद उक्त घोषणा की गई है। इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) के घटक आप और कांग्रेस ने यहां एक प्रेस वार्ता में रैली का ऐलान किया। आप की दिल्ली ईकाई के संयोजक राय ने कहा कि देश में जो हो रहा है उसके खिलाफ हम 31 मार्च को रामलीला मैदान में महारैली करेंगे। इस रैली में इंडिया गठबंधन का शीर्ष नेतृत्व शामिल होगा। राय ने कहा किलोकतंत्र और देश खतरे में है। देश के हितों और लोकतंत्र की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल यह महारैली करेंगे। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों को समान अवसर नहीं दिए जा रहे हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के खातों को फ्रीज (लेनदेन पर रोक) किए जाने और मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 31 मार्च की महारैली न सिर्फ एक राजनीतिक रैली होगी बल्कि देश के लोकतंत्र को बचाने और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाने का भी आह्वान करेगी।

पृष्ठ एक का शेष

बाल विवाह-बहुविवाह ...

अक्तूबर 2023 में सरकारी कर्मचारियों के बीच बहुविवाह को समाप्त करने के लिए एक निर्देश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि पत्नी या पति के जीवित रहने पर राज्य की अनुमति के बिना दूसरी शादी की अनुमति नहीं दी जाएगी, भले ही कुछ धर्म इसकी अनुमति देते हों। इसके अलावा, राज्य सरकार ने पिछले साल दो चरणों में बाल विवाह के खिलाफ सघन कार्रवाई शुरू की। शर्मा ने पहले कहा था कियह पाया गया कि कई बुजुर्ग पुरुषों ने कई बार शादी की और उनकी पत्नियां ज्यादातर युवा लड़कियां थीं, जो समाज के गरीब वर्ग से थीं।

सूअर की किडनी ...

होगी। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक रिचर्ड बहुत दिनों से डायबिटीज से पीड़ित हैं। इसी के चलते बाद में उनकी किडनियां खराब हो गई। सात साल तक डायलिसिस पर रहने के बाद 2018 में इसी अस्पताल में रिचर्ड का किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था जो इंसान की किडनी थी, लेकिन 5 साल के अंदर ही उनकी किडनी फेल हो गई। अब उन्हें मेसाच्यूसेट्स के ईजेनेसिस ऑफ कैंब्रिज सेंटर में विकसित सूअर की लगाई गई है। वैज्ञानिकों ने इस सूअर से उस जीन को निकाल दिया जिससे इंसान को खतरा था। इसके साथ ही कुछ इंसान के जीन को जोड़ा भी गया जिससे क्षमता में वृद्धि हुई। ईजेनेसिस कंपनी ने सूअर से उन वायरस को भी निष्क्रिय कर दिया जिससे इंसान में इंफेक्शन हो सकता था। इस तरह जिस सूअर की किडनी का इस्तेमाल किया गया है वह पूरी तरह इंजीनियरिंग का करिश्मा है और इसमें सूअर वाले गुण बहुत कम ही है। नेचर जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक इंसान में सूअर की किडनी को ट्रांसप्लांट करने से पहले इसी तरह दूसरे सूअर के जीन में भी इंजीनियरिंग की गई और इस जेनेटिकली संशोधित किडनी को पहले एक बंदर में ट्रांसप्लांट किया गया और इसे औसतन 176 दिनों तक जिंदा रखा गया। एक अन्य केस में इसे दो साल तक दो साल से ज्यादा दिनों तक जिंदा रखा गया। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में लेंगोन ट्रांसप्लांट इंस्टीट्यूट के डॉ. रॉबर्ट मोंटेगोमेरी ने बताया कि जेनेट्रासप्लांटेशन के क्षेत्र में तरक्की का नया अध्याय है। जेनोट्रासप्लांटेशन का मतलब किसी जीव के अंगों को किसी अन्य जीव के अंगों में फिट करना। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में हजारों लोगों को किडनी फेल्योर की समस्या से जूझना पड़ता है। अगर इस तरह से किडनी की वैकल्पिक व्यवस्था होती है यह पूरी दुनिया के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि अकेले अमरीका में एक लाख लोग अंग प्रत्यारोपण के लिए वेटिंग लिस्ट में हैं। इनमें से सबसे ज्यादा संख्या किडनी ट्रांसप्लांट की है।

पाकिस्तान के पंजाब ...

पंजाब की असेंबली में *मोदी का जो यार है वो गद्दार है* के नारे लग रहे हैं। यह पहला वाक्या नहीं है जब पाकिस्तान में ऐसे नारे लगे हैं। यूट्यूबर सोहैब चौधरी ने वीडियो सांझा करते हुए कहा कि मौजूदा समय में दोनों देशों के बीच ट्रेड बंद है। भारत के प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री या कोई उच्च अधिकारी पकिस्तान का नाम तक नहीं ले रहा है वहीं दूसरी तरफ हमारे यहां उनके खिलाफ नारे लग रहे हैं। सोहैबके मुताबिक मौजूदा समय में दोनों देशों के बीच ट्रेड तो हो नहीं रहा ऐसे में सवाल यह उठता है कि भारत का यार कौन है? वहां मौजूदा शख्स ने कहा पहले मुझे यह बताएं कौन है जो पाकिस्तान के साथ यारी लगाने के लिए सोच रहा है। शख्स ने कहा कि पिछले साल मोदी के जो भी स्टेटमेंट आए हैं उसमें एक बार भी उन्होंने पाकिस्तान का जिक्र नहीं किया है। उन्होंने ना तो डायरेक्टली ना ही इनडायरेक्टली पाकिस्तान के बारे में कुछ बात की है। शख्स ने पीएम मोदी के भूटान दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वहां उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान का सम्मान दिया गया जबकि हमारे यहां पंजाब के असेंबली में उनके खिलाफ मोदी का जो यार है वो गद्दार है नारे लग रहे हैं।

केरल सरकार राष्ट्रपति ...

किया था जब मुर्मु को देश के सर्वोच्च पद के लिए नामित किया गया था। उन्होंने कहा कि 2022 तक वामपंथी पार्टी के पोलित ब्यूरो में कोई महिला सदस्य नहीं थी। भाजपा पार्टी की आलोचना एलडीएफ सरकार द्वारा राज्य विधानसभा द्वारा पारित चार विधेयकों पर सहमति रोकने के लिए मुर्मु के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने के अपने कदम को उचित ठहराने के एक दिन बाद आई, जिसमें कहा गया कि उनकी कार्रवाई के *महत्वपूर्ण संवैधानिक निहितार्थ* हैं। मुरलीधरन ने संवाददाताओं से कहा कि अगर हम इतिहास पर नजर डालें तो हम समझ सकते हैं कि मार्क्सवादी पार्टी राष्ट्रपति मुर्मु के खिलाफ क्यों आगे बढ़ रही है... महिलाओं के प्रति सीपीआई (एम) नेतृत्व की सहज आपत्ति इसका मूल कारण है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि देश में बिलों में देरी हो रही है, बल्कि यह पहली बार है कि कोई राष्ट्रपति के खिलाफ आगे बढ़ रहा है। मुरलीधरन ने यह भी कहा कि देश के लोग, जो सामाजिक न्याय और समानता के लिए खड़े हैं, राष्ट्रपति मुर्मु को अपमानित करने के इरादे से किसी भी कदम का विरोध करेंगे। भाजपा का यह बयान राज्य सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें केंद्र सरकार, भारत के राष्ट्रपति के सचिव, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और उनके अतिरिक्त सचिव को मामले में पक्षकार बनाया गया है। अपनी याचिका में, राज्य सरकार ने राष्ट्रपति द्वारा बगैर किसी कारण के विधेयकों को मंजूर न करने को असंवैधानिक कदम घोषित करने का न्यायालय से अनुरोध किया है। इन विधेयकों में विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) (नंबर 2) विधेयक, 2021; केरल सहकारी सोसायटी (संशोधन) विधेयक, 2022; विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक, 2022; और विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) (नंबर 3) विधेयक, 2022 शामिल हैं।

लेह में तैनात जवानों ...

वहां तैनात सभी सैनिकों को यहीं लेह से होली की शुभकामनाएं देता हूं। वैसे तो अनेक अवसरों पर सेना के जवानों से मिलता रहता हूं लेकिन होली के अवसर पर आप लोगों से मिलना और आपके साथ होली खेलना मेरे लिए सबसे सुखद क्षणों में से एक है। उन्होंने कहा कि आप सभी सैनिक होने के नाते भारत के प्रत्येक परिवार के सदस्य हैं। मैं भारत के सभी परिवारों के प्रेम का रंग लिए आपके बीच आया हूं। आप भले ही मुझे रक्षा मंत्री के रूप में यहां देख रहे हैं लेकिन मैं आपके स्वजन के रूप में होली के दिन अपने परिवार वालों से मिलने आया हूं। मैं देशवासियों की होली की शुभकामनाओं के साथ-साथ आपके लिए उनका आशीर्वाद लाया हूं। भारतीय सेना इच्छाशक्ति और साहस का दूसरा नाम है। आपके बीच आकर मुझे ऐसा लग रहा है कि मेरे रगों में रक्त की नई धारा का संचार होने लगा है। आप जिस ऊंचाई पर खड़े होकर इतनी विषम परिस्थिति में देश की सेवा करते हैं, वह अतुलनीय है। राजनाथ ने कहा कि हड्डियों को कंपा देने वाली सर्द हवाएं जब इन वादियों में बहती हैं, तो हर कोई अपने घरों में दुबक जाना चाहता है। इसके बावजूद विपरीत परिस्थिति में भी आप मौसम से लोहा लेकर दुश्मन की आंखों में आंखें डालकर खड़े होते हैं। इस अटूट इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करने के लिए देश सदैव आपका ऋणी रहेगा। आने वाले समय में जब राष्ट्रीय सुरक्षा का इतिहास लिखा जाएगा, तब बर्फीले ठंडे ग्लेशियर में उबाल लाने वाली आपकी वीरता के कार्यों को गौरव के साथ याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी त्योहार पहले सियाचिन और कारगिल की चोटियों पर, राजस्थान के तपते रेतीले मैदान में, हिंद महासागर की गहराई में स्थित पनडुब्बी में सवार भारतीय नौसैनिकों के साथ मनाए जाने चाहिए।

आईआईटी गुवाहाटी के ...

बात सोशल मीडिया के जरिए कह कर गायब हो चुके आईआईटी, गुवाहाटी के बॉयोटेक्नोलॉजी के अंतिम वर्ष के छात्र तौसीफ अली फारुकी को असम पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उल्लेखनीय है कि तीन दिन पहले आईएसआईएस के भारत प्रमुख हरीश फारूकी को बांग्लादेश की सीमा से भारत में घुसते ही धुबड़ी में गिरफ्तार कर लिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उग्रवाद से निपटने के लिए असम पुलिस हर समय तत्पर है। असम सरकार केंद्रीय एजेंसियों को इस कार्य में हर संभव सहयोग देगी।

अमरावती में एसटी बस...

के पास मड्डी इलाके में घुमावदार रास्ता होने के कारण अचानक चालक का ध्यान हट गया और बस अनियंत्रित होकर 25 फीट गहरी खाई में गिर गई। गांव वाले तत्काल मौके पर पहुंचे और इस घटना की जानकारी सेमोडोह पुलिस स्टेशन की टीम को दी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घटनास्थल पर इंदु साधन गैंत्रे (65) और ललिता चिमोटे (30) व एक अन्य की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। साथ ही 36 से अधिक घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया है।

महाकाल के प्रांगण...

अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। इससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। महाकालेश्वर मंदिर में पुजारी इंद्रनारायण शर्मा की प्रेरणा से रविवार को राजस्थान के जयपुर के कपिल सोनी द्वारा 400 ग्राम चांदी का छत्र भगवान श्री महाकालेश्वर को अर्पित किया गया। इसे गर्भगृह निरीक्षक कमल जोशी द्वारा प्राप्त कर दानदाता का सम्मान कर विधिवत रसीद प्रदान की गई। छत्तीसगढ़ के रायपुर से दर्शन करने पहुंची नीलम शर्मा ने पुजारी विकास शर्मा की प्रेरणा से एक नग चांदी का छत्र, एक नग मुकुट और एक नग नाग भगवान महाकालेश्वर को अर्पित किया, जिसका कुल वजन लगभग 886 ग्राम है। इसे मंदिर प्रबंध समिति द्वारा प्राप्त कर विधिवत रसीद प्रदान की गई।

भोजशाला में एएसआई ...

भी जांचे गए। भोजशाला के आसपास कोई विवाद न हो, इसलिए पूरा परिसर छावनी में तब्दील किया गया है। एएसआई के सर्वे के तीसरे दिन मुस्लिम पक्षकार अब्दुल समद भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सर्वेक्षण पर कुछ आपत्ति जताई। उन्होंने पहले दिन के सर्वे को रद्द (शून्य) करने की मांग की है। इसे लेकर उन्होंने एएसआई को ई-मेल किया है। समद खान का कहना है कि हम सर्वे के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि नया सर्वे कर नई चीजों को अंदर दाखिल करने की कोशिश की जा रही है, इस पर हमारी आपत्ति है। हमारा समाज चाहता है कि साल 2003 के बाद जो चीजें अंदर गई हैं, उन्हें सर्वे में शामिल न किया जाए। समद ने कहा कि एएसआई की टीम तीन तरीके से काम कर रही है। हम चाहते हैं कि एक वक्त पर एक ही जगह काम हो, क्योंकि मुस्लिम पक्षकारों की तरफ से मैं अकेला हूं। मैं एक वक्त पर तीन जगह मौजूद नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज एएसआई के सर्वे के खिलाफ नहीं है। बस दिलों का मैल खत्म होना चाहिए। पहले दिन की वीडियोग्राफी-फोटोग्राफी के बाद शहर काजी वकार सादिक ने कहा था कि इस सर्वे के खिलाफ पूरा समाज लड़ेगा। एएसआई अपनी बात से बदल नहीं सकती। आज नहीं तो कल हमारी सुनवाई होगी। हमें हिंदुओं से कोई बैर नहीं है। केवल तेरह-चौदह लोग स्वयंभू बने हुए हैं। अब हम पांचों वक्त की नमाज अदा कराने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। इधर, भोज उत्सव समिति के सुमित चौधरी ने कहा कि मुस्लिम पक्षकार अब्दुल समद खान लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। भोजशाला परिसर में कुछ भी नहीं लाया जा सकता है। यहां पुलिस की कड़ी व्यवस्था है, सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए हैं। इसके अलावा निजी सुरक्षा कर्मी भी तैनात रहते हैं। ऐसे में कुछ भी लाना संभव नहीं है।

राष्ट्रपति और पीएम ...

पूर्वसंध्या पर रविवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह त्योहार लोगों के बीच प्रेम, एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देता है। वहीं, पीएम मोदी ने सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नया उत्साह की कामना की। राष्ट्रपति ने एक संदेश में कहा कि यह त्योहार हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने के लिए भी प्रेरित करता है। होली एक जीवंत और आनंद का त्योहार है, जो हमारे जीवन में आशा और उत्साह भरता है। होली के विभिन्न रंग हमारे देश की विविधता का प्रतीक हैं। यह त्योहार लोगों के बीच प्रेम, एकता और भाईचारे की भावनाओं को बढ़ावा देता है। यह त्योहार हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने के लिए भी प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि रंगों का यह त्योहार हर किसी के जीवन में खुशियां लाए और हम सभी को नए उत्साह के साथ राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करे। होली के शुभ अवसर पर, मैं भारत और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को शुभकामनाएं देती हूं। इससे पहले पीएम मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि देश के मेरे सभी परिवारजनों को होली की अनेकानेक शुभकामनाएं। स्नेह और सद्भाव के रंगों से सजा यह पारंपरिक पर्व आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नया उत्साह लेकर आए।

होली की छुट्टी...

वहां होली की छुट्टी रहने वाली है। असम सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त और सचिव एम एस मणिवन्नन ने 21 मार्च को राज्य के सभी उपायुक्तों को इस संबंध में एक नोटिफिकेशन जारी किया था। इसमें कहा गया कि चुनाव आयोग की नोटिफिकेशन के मुताबिक पहले फेज में 19 अप्रैल को चुनाव होंगे। आयोग ने निर्देश दिया है कि जिन जिलों में पहले फेज में वोटिंग होगी, वहां आगामी डोल जात्रा (होली) के लिए 26 मार्च को स्थानीय अवकाश घोषित नहीं किया जाएगा, क्योंकि इससे नामांकन प्रक्रिया प्रभावित होगी। असम की 14 लोकसभा सीटों पर 2024 के लोकसभा चुनाव तीन चरणों में होंगे। पहले चरण के लिए वोटिंग 19 अप्रैल, दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल और तीसरे चरण के लिए 7 मई को होगी। काजीरंगा, शोणितपुर, लखीमपुर, डिब्रूगढ़ और जोरहाट सहित पांच सीटों पर पहले चरण में मतदान होगा। पिछले साल चुनाव आयोग के परिसीमन के बाद काजीरंगा नई सीट बनी है, जबकि कलियाबर सहित कुछ पुरानी सीटें समाप्त कर दी गईं हैं। काजीरंगा में तीन जिलों नागांव, होजई और गोलाघाट के 10 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इसका मतलब है कि शोणितपुर, लखीमपुर, डिब्रूगढ़ और जोरहाट और तीन अन्य जिलों नागांव, होजाई और गोलाघाट में होली के त्योहार पर स्थानीय छुट्टी नहीं रहने वाली है। चुनाव आयोग ने 20 मार्च को जारी अपने नोटिफिकेशन में कहा कि इन लोकसभा सीटों के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 27 मार्च है। वहीं, नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 30 मार्च तय की गई है। आवेदनों की जांच 27 मार्च को की जाएगी। राज्य सरकार के अधिकारियों के मुताबिक, इन पांच सीटों पर अभी तक किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है और उम्मीद है कि ज्यादातर प्रमुख राजनीतिक दल 25 मार्च के आसपास नामांकन दाखिल करेंगे।

लोस चुनाव-24 : कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर लगाए कई आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के कालापहाड़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से रविवार को सोनाईगुली के सी सांग क्लब में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए, जिनमें अधिकतर महिलाएं थीं। बैठक में विशेष रूप से क्षेत्र और सामान्य रूप से राज्य के वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक माहौल पर चर्चा हुई। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मेहदी आलम बोरा ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक जिबोन कुली सहित अधिकांश वक्ताओं ने वर्तमान सरकार की कथित निरंकुश प्रकृति की निंदा की, जिसमें उनके दबंग रवैये और शासन में निराशाजनक प्रदर्शन, आसमान छूती वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने में उनकी असमर्थता, नौकरी के अवसर पैदा करने में विफलता आदि शामिल हैं। 50 से अधिक संख्या में स्थानीय युवा, जिनमें ज्यादातर आदिवासी समुदाय से थे, कांग्रेस में शामिल हुए। क्योंकि, उन्हें लगा कि केवल कांग्रेस ही लोगों के बीच विश्वास पैदा कर सकती है। इस अवसर पर बोलते हुए, 5 नंबर गुवाहाटी लोकसभा चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष गोपाल सी शर्मा ने भाजपा सरकार की विभिन्न विफलताओं, विशेष रूप से गलत नीति, अहंकार के कारण देश की तेजी से बिगड़ती आर्थिक स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार गरीब विरोधी, लेकिन पूंजीवाद समर्थक नीतियों को आगे बढ़ाते हुए लोगों के प्रति अपनी सभी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में में विफल रही है। गरीब लोगों पर करों का बोझ डाला गया, जबकि बड़े व्यापारिक घरानों को उनके बैंक के कर्ज को माफ करके बड़ी कर रियायतें दी गईं। राज्य में पुलिस द्वारा एनकाउंटर राज के साथ अराजकता देखी जा रही है। इसके कैडरों द्वारा सिंडिकेट, आवश्यक वस्तुओं पर आसमान छूती कीमतें, अब तक की सबसे अधिक बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा में भेदभाव, बड़े पैमाने पर उधार लेना आदि आम लोगों को भाजपा का विरोध करने को बाध्य कर रहे हैं।

पीजी स्टूडेंट यूनियन छात्रसंघ की अभाविप को बैन करने की बात हास्यास्पद एवं असंवैधानिक

लाचित बरफुकन एवं मां कामाख्या का बैनर जला अपमानित करने वाले मानसिक दिवालियापन के शिकार : हेरोल्ड

गुवाहाटी (हिंस)। आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), असम के कार्यकर्ताओं द्वारा गत 18 मार्च को आयोजित छात्र-नेता सम्मेलन में असमिया संस्कृति के प्रतीक लाचित बरफुकन तथा मां कामाख्या के चित्र लगे अभाविप के बैनर को एनएसयूआई एवं आसू कार्यकर्ताओं द्वारा जलाए जाने पर विरोध प्रर्दशन किया गया। गौहाटी विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएशन स्टूडेंट यूनियन द्वारा बिना अधिकार अभाविप को विश्वविद्यालय में बैन करने की मांग की अभाविप निंदा करती है एवं ऐसे कृत्यों द्वारा अराजकतापूर्ण स्थिति उत्पन्न करने पर इनपर कार्रवाई की मांग करती है। अभाविप ने आज इसके विरुद्ध विभिन्न स्थानों पर आंदोलन किया। असमिया संस्कृति पर किए गए इस अपमान के विरुद्ध गौहाटी विश्वविद्यालय में अभाविप द्वारा लाचित बरफुकन की प्रतिमा स्थापित करने का कार्य किया जाएगा। घोषणा के उपरांत ही स्थानीय

छात्रसंघ ने एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन कर अभाविप जैसे छात्र संगठन को बैन करने की बात कही है, अभाविप ऐसी बातों का विरोध करती है एवं इस कृत्य में शामिल आसू एवं एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की मांग करती है। बिना अधिकार के इस तरह की घोषणाएं करना उनकी मानसिक दिवालियापन का परिचायक है। अभाविप छात्र समुदायों से असमिया संस्कृति विरोधी ऐसे छात्र संगठनों का विरोध करने एवं गौहाटी विश्वविद्यालय में लाचित बरफूकन की प्रतिमा स्थापित कराने में सहयोग करने की अपील करती है। अभाविप, असम प्रदेश के प्रदेश मंत्री हेरोल्ड मोहन ने कहा कि विशिष्ट असमिया संस्कृति के प्रतीक लाचित बरफुकन तथा मां कामाख्या की प्रतिमा को जलाने का कृत्य निंदनीय है। अभाविप इसके विरोध में उसी स्थान पर लाचित बरफुकन की प्रतिमा स्थापित करने का कार्य करेगी। संस्कृति विरोधी छात्र संगठनों द्वारा अभाविप पर बैन लगाने की बात कही गई है, जिसे अभाविप पूर्ण रूप से अस्वीकार करती है। बिना अधिकार किसी शक्ति को प्रयोग करने की बात उनके मानसिक का परिचायक है। अभाविप स्थानीय प्रशासन से लाचित बरफुकन तथा मां कामाख्या की तस्वीर लगे अभाविप बैनर को जलाने एवं बिना अधिकार शक्तियों के प्रयोग करने की बात कर अराजकता फैलाने पर एनएसयूआई तथा आसू कार्यकर्ताओं पर त्वरित कार्रवाई हेतु मांग करती है।

नॉर्थ-ईस्ट स्कूल चैस चैंपियनशिप में मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा के जगजीत ने जीता खिताब

गुवाहाटी। असम जातीय विद्यालय में आयोजित 11वें रक्ताभ दत्ता चौधरी नॉर्थ ईस्ट स्कूल चैस टूर्नामेंट 2024 के शुरुआती शाखा में छठी कक्षा के जगजीत सिन्हा ने खिताब जीता है। इस अवसर पर मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के शतरंज कोच टीएच बिपिन सिंहा ने कहा कि खुली श्रेणी में जगजीत का शानदार प्रदर्शन समर्पण और कौशल को दर्शाता है, जिसने हमारे स्कूल को यह सम्मान दिलाया। प्रतियोगिता में जगजीत की सफलता पर हम बेहद खुश हैं। 11वें रक्ताभ दत्ता चौधरी नॉर्थ ईस्ट स्कूल चैस असम जातीय विद्यालय परिसर में संपन्न हुई। खुली श्रेणी में मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के जगजीत सिन्हा ने खिताब जीता और पॉन ग्रुप में डीपीएस के सारस्वत डेका चैंपियन बने। रैपिड इवेंट में मारिया पब्लिक स्कूल के तन्मय राजवंशी ने पहला स्थान हासिल किया। सर्वश्रेष्ठ टीम का खिताब दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुवाहाटी को मिला।

कमलपुर में बालू खनन के विरुद्ध महिलाओं का जोरदार विरोध-प्रदर्शन

रंगिया (विभास)। कमलपुर में अवैध बालू खनन के खिलाफ महिलाएं निकलकर आई और इसका विरोध प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि कमलपुर क्षेत्र के घाह कूची में लंबे समय से कुछ बालू व्यापारियों द्वारा पुठिमारी नदी पर अवैध बालू खनन का कार्य चलाया जा रहा है और इसके अंतर्गत उनके द्वारा पुठिमारी नदी की बांध के ऊपर से प्रतिदिन बालू से भर्ती डंपर चलाई जाती आ रही है, इससे बांध के साथ ही स्थानीय लोगों के जीवन मे भारी संकट उत्पन्न होने की बात स्थानीय लोगों द्वारा बताई गई है। इसके साथ ही बताया गया है डंपर के अवैध चलाचल से वहां के लोगों के पथार पूर्ण रूप से बर्बाद होते जा रहे है। आखिरकार इस अवैध कार्य को रोकने के लिए आज महिलाओं ने निकलकर इसका विरोध प्रदर्शन किया और इस अवैध कार्य को रोकने की कोशिश की। इस मौके पर महिलाओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि वन विभाग और प्रशासन को बार-बार बोलने के बाबजूद भी उनकी ओर से कोई भी सहायता अभीतक नहीं मिली है।

महिला स्वच्छता पर लायंस उमंग का कार्यक्रम आयोजित

स्कूली बच्चों के बीच बाटीं गई खेल सामग्री

गुवाहाटी। समाज सेवा के साथ-साथ महिला उत्थान एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रही लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से लायंस जिला 322जी के अंतर्गत वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में महिला स्वच्छता से संबंधित कार्य करते हुए नारंगी के युवा नगर स्थित स्कूल में अध्यनरत छात्राओं के लिए 1800 पीस सेनेटरी नैपकिन बांटी गई। इस परियोजना के तहत विद्यार्थियों के लिए खेल सामग्री भी प्रदान की गई जिसमें लूडो, कैरम बोर्ड, चेस आदि उपलब्ध कराई गई, ताकि वे लोग अपने भीतर छिपे खेल के हुनर को और निखार सके। इस मौके पर लायंस जिलापाल प्रथम श्रीमती सीमा गोयनका, अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी, रीजन चेयरपर्सन रितु बांका, निभा सराफ, प्रीति खेतान, पूनम तोदी, कुसुम जैन, रेनू जैन, सरोज जालान, निधि अग्रवाल सहित अन्य सदस्यांए मौजूद थी।

झूलनोत्सव की वार्षिकी को लेकर बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया में श्री श्री राधाकृष्ण झूलन यात्रा महोत्सव की इसवर्ष शतवार्षिकी और आगंतुक श्री श्री हनुमान जन्मोत्सव के आयोजन को लेकर शुक्रवार को श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर संचालन समिति द्वारा एक विशेष कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष महेश सिकरिया की अध्यक्षता में शुक्रवार की शाम 8.00 बजे से आयोजित इस बैठक मे आगामी श्री श्री राधाकृष्ण झूलन महोत्सव की रूप रेखा के साथ ही विभिन्न विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर समिति के बहुत से कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया और अपने विचार रखे। इसके अलावा सभा के मुख्य आलोच्य विषय के रूप में आगंतुक *श्री हनुमान जन्मोत्सव* के आयोजन की रूप रेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया और साथ ही निर्माणाधीन पंचायती धर्मशाला के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गयी।

पुलिस की छापेमारी में 80 लीटर विदेशी शराब जब्त

नगरबेड़ा (विभास)। पुलिस ने कल रात गोवालपाड़ा जिले के माटिया पुलिस स्टेशन के अंतर्गत नवागत शिमलिटोला बाजार में शराब के खिलाफ अभियान चलाया। इस ऑपरेशन में पुलिस भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त करने में सफल रही है। मालूम है कि माटिया थाने के प्रभारी निपूमोनी चौधुरी के तृत्वत्य में बीती रात नवागत शिमलीटोला में शराब के खिलाफ छापेमारी की थी। अस्सी (80)लीटर विदेशी शराब की बोतलें जब्त की गईं। हालांकि पुलिस घटना के संबंध में किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं कर पाई है; पुलिस ने जब्त शराब को आज जिला आबकारी विभाग को सौंप दिया। पुलिस अधिकारी निपुपमोनी चौधरी द्वारा शराब के खिलाफ सफल अभियान की जनता ने काफी सराहना की है और मांग की है कि इन मामलों में शामिल बाकी व्यापारियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। भेजने वाला : साज्जाद कबीर, नगरबेड़ा, 24 मार्च

राज्यपाल ने लोगों को दी होली की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने होली के शुभ अवसर पर असम के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। कटारिया ने आज यहां एक संदेश में कहा कि रंगों के त्योहार होली के शुभ अवसर पर मैं सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। यह त्योहार हमारे जीवन में शांति, सद्भाव, समृद्धि और खुशियां लाए। कटारिया ने आशा व्यक्त की कि होली की खुशी समाज में प्रेम, सद्भाव और समझ के सदियों पुराने बंधन को फिर से जीवंत और मजबूत करेगी और सभी वर्गों के लोगों को शांतिपूर्वक आगे बढ़ने के लिए एकजुट रखेगी। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यह त्योहार सभी धर्म, जाति, पंथ और जातीयता से ऊपर उठकर सभी के लिए खुशी, खुशी और उल्लास का अग्रदूत बनेगा।

जैन समाज का होली मिलन समारोह सांस्कृतिक संध्या के साथ संपन्न

गुवाहाटी। जैन समाज द्वारा रविवार को भगवान महावीर धर्म स्थल में होली मिलन समारोह एवं रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। श्री दिगंबर जैन यूथ फेडरेशन के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान महावीर की तस्वीर के समक्ष अध्यक्ष महावीर जैन (गंगवाल), चेयरमैन महावीर प्रसाद छाबड़ा, मंत्री वीरेंद्र कुमार सरावगी रतनलाल रारा अशोक छाबड़ा एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्ज्वलित किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रीति सेठी द्वारा मंगलाचरण से हुई तथा इसके बाद होली टोली ग्रुप द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर अपने संबोधन में अध्यक्ष महावीर जैन ने कहां की होली व दीपावली के त्योहारों के बाद हम उम्र का अभिवादन करना एवं बड़ों से आशीर्वाद लेने की पुरातन भारतीय परंपरा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से समाज के लोगों ने एक जगह एकत्रित होकर सामाजिक एकता और सौहार्द का अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर समाज के नन्हे-नन्हे कलाकारों ने भी अपनी विशेष अदाकारी से धमाल मचाया। कार्यक्रम का संचालन विकास विनायका ने किया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन प्रीति सेठी ने किया। प्रचार प्रसार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि कार्यक्रम में समाज के गणमान्य व्यक्तियों के अलावा श्री दिगंबर जैन यूथ फेडरेशन पुरुष एवं महिला शाखा, श्री दिगंबर जैन महिला समिति कि सदस्याओ के अलावा समाज के सभी सदस्य उपस्थित थे।

मिजोरम में हथियारों के साथ म्यांमार का नागरिक गिरफ्तार

एजल (हिंस)। मिजोरम में हथियारों के साथ म्यांमार के एक नागरिक को गिरफ्तार कर लिया गया। असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने भारत-म्यांमार सीमा पर उक्त म्यांमार नागरिक के पास से भारी मात्रा में हथियार जब्त किए हैं। मिजोरम पुलिस ने रविवार को बताया कि विशिष्ट खुफिया सूचना पर असम राइफल्स की सेरछिप बटालियन और चम्फाई जिले के जोखावथार पुलिस की संयुक्त टीम ने हथियार का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। इसमें एक मैगजीन के साथ एक एम4 असॉल्ट राइफल, एक मैगजीन के साथ एक जर्मन पिस्टल, दो डबल बैरल राइफलें, दो सिंगल बैरल राइफलें, 5.56 मिमी की 20 राउंड, 9 मिमी की छह राउंड और दो हेलमेट शामिल हैं।

आफगानिस्तान के विरुद्ध खेले जाने वाले फीफी क्वालिफाई मैच के लिए पूर्वाभ्यास करती भारतीय टीम।

बड़ी मात्रा में ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नगरबेरा (विभास)। पुलिस ने ग्वालपाड़ा जिले के नवागत शिमलीटोला में आज शाम नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाया और भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त करने में सफल रही। मालूम हो है कि आज शाम लगभग 8 बजे, माटिया पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी निपूमोनी चौधरी के नेतृत्व में और नवागत शिमलिटोला उप-निरीक्षक सैफुद्दीन अहमद की मदद से, नवागत शिमलीटोला हेप्सापाड़ा-कमारपोटा गांव के मिजानुर रहमान (28) और नवागत शिमलिटोला बाजार के आकवर आली को गिरफ्तार किया गया। एक गुप्त सूचना के आधार पर ऑपरेशन ने 50 कंटेनरों से भरे ड्रग्स सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया। यह याद किया जा सकता है कि गिरफ्तार मिजानुर रहमान को कुछ दिनों पहले मादक पदार्थों की तस्करी के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था और शिमलिटोला पुलिस ने जेल भेज दिया था। क्षेत्र के जागरूक लोगों ने गोवालपाड़ा जिला पुलिस प्रशासन से घातक ड्रग पेडलर्स में शामिल बाकी व्यापारियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

बीटीआर में हग्रामा का दबदबा बरकरार : दुर्गादास

दरंग (हिंस)। दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से बीपीएफ उम्मीदवार दुर्गादास बोड़ो ने कहा है कि बीटीसी क्षेत्र में हग्रामा महिलारी का दबदबा बरकरार। यही कारण है कि लोग दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र में बीपीएफ उम्मीदवार को इस चुनाव में गले लगाएंगे। दुर्गा दास बोड़ो ने कहा कि 20 साल तक सत्तारूढ़ दल से यहां सांसद होने के बावजूद, लोग दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के विकास को समझ नहीं सके। उन्होंने आरोप लगाया कि हर कोई सांसद दिलीप सैकिया के चरित्र को समझता है, जो मंत्रियों या विधायकों की योजनाओं का उद्घाटन करने की जल्दी में हैं। अकेले ही अपनी सांसद निधि योजनाओं का उद्घाटन किये फिरते हैं।

रंगिया में लोक क्रिष्टि कला केंद्र की ओर से बिहू कार्यशाला का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। बिहू कार्यशाला नई पीढ़ी को बिहू के साथ-साथ लोक क्रिष्टि के प्रति प्रोत्साहित करती है -यह बात सांस्कृतिक वार्ता दापोन के मुख्य संपादक तथा अमस्ट्रोन के उप-प्रबंधक दिनमणि भंडार कायस्थ ने एक बिहू कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विशेष रूप से कही। उन्होंने कहा कि पढ़ने के क्षेत्र में हमारे बच्चे विभिन्न माध्यमों से पढ़ते हैं, लेकिन बिहू कार्यशाला में उनकी भागीदारी असमिया जाती का मेरुदंड अधिक मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि रंगिया जैसे साहित्य, संस्कृति तथा खेलकूद आदि सभी दिशाओं में आगे रहने वाले क्षेत्र में लोक क्रिस्टी कला केंद्र द्वारा प्रतिवर्ष बिहू कार्यशाला के आयोजन द्वारा नई पीढ़ी को आगे ले जाने का कार्य अत्यधिक सराहनीय है। रंगिया में लोक क्रिष्टि कला केंद्र के सौजन्य से पिछले दस वर्षों की तरह इस बार भी रंगिया शिव मंदिर के पास स्थित संगम संघ मैदान प्रांगण में बिहू तथा लोक नृत्य की कार्यशाला का प्रारंभ शुक्रवार को किया गया। असम साहित्य सभा के मातृभाषा-राज्य भाषा प्रयोग समिति के संयोजक हेमंत कलिता ने दीप प्रज्ज्वलित कर इस कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस मौके पर आयोजित समारोह का मंच संचालन कला केंद्र के सचिव रूपम डेका ने किया और पुलकेश डेका ने इसकी अध्यक्षता की, कार्यक्रम में रनदिया शतदल साहित्य सभा के सचिव उज्ज्वल डेका, युवा सामाजिक कार्यकर्ता मनोज कलिता, विषय शिक्षक मुकुल बेजबरुवा, शिक्षक मुकेश लहकर, पत्रकार तथा रंगिया वकिल संस्था के सचिव सैय्यद मुस्तफा अहमद सहित मुख्य रूप से सैकड़ों प्रशिक्षार्थी, अभिभावक एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया। बताया गया है कि आगामी 31 मार्च तक 10 दिवसीय कार्यक्रम के साथ आयोजित इस कार्यशाला में अनुभवी प्रशिक्षकों जिसमें मुख्य प्रशिक्षक देवजीत राजवंशी, रूपम डेका, जयंती काठार डेका, डिंपी संदीके, मिंटू हालोई, अर्किड कलिता, अमूल्य कलिता, धीमान डेका, रुपज्योति डेका के साथ आमंत्रित प्रशिक्षक वर्ष 2004 लताशिल बिहू साम्राज्ञी गायत्री कोंवर द्वारा नई पीढ़ी को प्रशिक्षित करने के महान उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। लोक कृष्टि कला केंद्र के अध्यक्ष पुलकेश डेका, रंगिया के साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यकर्ता तथा कला केंद्र के कार्यकारी अध्यक्ष जयंतजीत कलिता, सचिव वर बिहुआ रूपम डेका और प्रख्यात बिहुवा समीर कुमार चेतिया के नेतृत्व में सुचारू रूप से संचालित होती आ रही इस कार्यशाला द्वारा पिछले दस वर्षों में कई छात्र लाभान्वित हो चुके हैं। इसके भीतर पिछले वर्ष के बैशाख महीने के पहले दिन गुवाहाटी स्थित सरुसजाई स्टेडियम में असम सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाने के उद्देश्य आयोजित बिहू प्रदर्शन कार्यक्रम में उन्हें भाग लेने का अवसर मिला। बताया गया है कि इस कार्यशाला में 6 वर्ष से अधिक उम्र के लोग भाग ले रहें है। आयोजकों द्वारा कार्यशाला में भाग लेने के लिए मोबाइल नंबर 9954241847 एवं 9707823954 पर संपर्क करने को कहा गया है।

संपादकीय

सरकारी बसें कितनी आगे

सही समय पर प्रशासनिक दखल के परिणाम किस तरह बेहतर हो सकते हैं, इसका एक उदाहरण एचआरटीसी के प्रबंध निदेशक रोहन चंद ठाकुर ने पेश किया है। वह डीटीसी के साथ एक अनुबंध करके न केवल दिल्ली जा रही सरकारी बसों के लिए उनके राजघाट परिसर में पार्क करने की व्यवस्था कर रहे हैं, बल्कि वहां ड्राइवर-कंडक्टरों के लिए विश्राम की उचित व्यवस्था भी कर रहे हैं। इस तरह एचआरटीसी सालाना अपने व्यय में करीब दो करोड़ की बचत करते हुए भविष्य के रास्ते खोज रही है। यह दीगर है कि सरकारी बसें भारी नुकसान की अर्थव्यवस्था के भंवर में फंसी हुई हैं और जनता की शिकायतों का एक पहाड़ इसके सामने खड़ा है, फिर भी वर्तमान सरकार के दौर में इलेक्ट्रिक बसों की दिशा में सरकार का फैसला इनकी खरीद के अंतिम दौर में है। करीब पांच सौ तेरह करोड़ से 327 बसें खरीद कर सरकार राज्य को ग्रीन एनर्जी के तहत भविष्य की संभावना से जोड़ रही है। इससे पहले शिमला व धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही हैं। बहरहाल सडक़ परिवहन के क्षेत्र में एचआरटीसी अपने आप में राज्य के सेवा क्षेत्र के अलावा पर्यटन का सेतु भी है। हाल के दिनों में इसकी चर्चा के क्षेत्र में विसंगतियां रही हैं, फिर भी एचआरटीसी हिमाचल राज्य का एक ब्रांड है, जो सीधे जनापेक्षाओं को संबोधित करता है। यह दीगर है कि एचआरटीसी की प्रबंधकीय क्षमता पर राजनीति हावी होकर ऐसे फैसले लेती रही है, जिससे सार्वजनिक परिवहन की वित्तीय स्थिति निरंतर घाटे के नीचे दबी रहती है। अनावश्यक बस डिपो खोलकर राजनीति ने अपना कद भले ही ऊंचा कर लिया, लेकिन घाटे के सौदे में सरकारी बसें खुद पर शर्मिंदा हैं। बेशक अंतरराज्यीय बसों से एचआरटीसी की कमाई की रीढ़ दिखाई देती है, लेकिन राज्य स्तरीय व स्थानीय बस संचालन में अनावश्यक खर्चों को ढोती हुई बस सेवा कंगाल हो चुकी है। निजी बसों के मुकाबले सरकारी बसों की छवि, दक्षता, उपयोगिता व कमाई की औसत दर प्रदेश पर आर्थिक बोझ बढ़ा रही है। राज्य व स्थानीय रूट परमिट को देखते हुए परिवहन नीति में बदलाव से निजी निवेश को बढ़ावा मिलना चाहिए। एचआरटीसी अपने बस अड्डों के मार्फत आय का दायरा बढ़ा सकती है। बड़े शहरों, पर्यटक व धार्मिक स्थलों के बस स्थानक अपने आप में पर्यटन परिसर साबित हों, इस हिसाब से निजी निवेश के साथ पार्टनरशिप बढ़ानी होगी। एचआरटीसी के बस अड्डे कल के मॉल होने चाहिएं तथा इनके साथ महापार्किंग की अवधारणा में प्रयास करने होंगे। हिमाचल पथ परिवहन निगम अगर दिल्ली में डीटीसी के साथ मिलकर बचत कर रही है, तो ऐसे आदान-प्रदान हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड व जम्मू-कश्मीर राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ भी होने चाहिएं। मसलन एचआरटीसी चंडीगढ़-दिल्ली के बीच बस ठहराव के साथ एक रिजॉर्ट विकसित कर सकती है, जबकि पंजाब के कई रूट्स में भी ऐसी संभावना को देखना चाहिए। एचआरटीसी अगर पठानकोट से बस डिपो का संचालन कर सकती है, तो दिल्ली, चंडीगढ़ व हरिद्वार से क्यों नहीं। परिवहन की दृष्टि से एचआरटीसी को पर्यटन रूट के अलावा स्थानीय परिवहन को भी अलग से परिभाषित करना होगा। निश्चित रूप से एचआरटीसी ने कुछ धार्मिक स्थलों को हिमाचल से जोडक़र ऐसी पहल की है, लेकिन जयपुर, मसूरी, अमृतसर, कुरुक्षेत्र व जम्मू के साथ पर्यटन परिवहन की नई तस्वीर पेश करनी होगी। हिमाचल के भीतर साइट सीईंग के पैकेज अगर एचआरटीसी शुरू करे, तो धार्मिक पर्यटन से आगे नई मंजिलें तैयार होंगी। प्रदेश में परिवहन की एक परिपाटी में हम एचआरटीसी की भूमिका को देखते हैं, जबकि इसकी संपूर्णता में निजी क्षेत्र की क्षमता काफी आगे है। एचआरटीसी के दायरे में निजी क्षेत्र का निवेश अगर परिवहन के उद्देश्य व संगत से हो, तो घाटे के फेरे लाभ की स्थिति में आ सकते हैं।

दिल्ली जा रही सरकारी बसों के लिए उनके राजघाट परिसर में पार्क करने की व्यवस्था कर रहे हैं, बल्कि वहां ड्राइवर-कंडक्टरों के लिए विश्राम की उचित व्यवस्था भी कर रहे हैं। इस तरह एचआरटीसी सालाना अपने व्यय में करीब दो करोड़ की बचत करते हुए भविष्य के रास्ते खोज रही है। यह दीगर है कि सरकारी बसें भारी नुकसान की अर्थव्यवस्था के भंवर में फंसी हुई हैं और जनता की शिकायतों का एक पहाड़ इसके सामने खड़ा है, फिर भी वर्तमान सरकार के दौर में इलेक्ट्रिक बसों की दिशा में सरकार का फैसला इनकी खरीद के अंतिम दौर में है। करीब पांच सौ तेरह करोड़ से 327 बसें खरीद कर सरकार राज्य को ग्रीन एनर्जी के तहत भविष्य की संभावना से जोड़ रही है। इससे पहले शिमला व धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही हैं। बहरहाल सडक़ परिवहन के क्षेत्र में एचआरटीसी अपने आप में राज्य के सेवा क्षेत्र के अलावा पर्यटन का सेतु भी है। हाल के दिनों में इसकी चर्चा के क्षेत्र में विसंगतियां रही हैं, फिर भी एचआरटीसी हिमाचल राज्य का एक ब्रांड है, जो सीधे जनापेक्षाओं को संबोधित करता है।

स्वतंत्रता के बाद हमारे देश में 17 आम चुनाव तथा लगभग 400 विधानसभा के चुनाव संपन्न हो चुके हैं

विश्व की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया में सबकी जिम्मेदारी

अवधेश वुमार

मुख्य चुनाव आयुत्त राजीव वुमार ने पत्रकार वार्ता में बताया कि विश्व के कईं महाद्वीपों की जनसंख्या से ज्यादा हमारे देश के मतदाताओं की संख्या है। वुल मतदाताओं की संख्या 96 .88 लाख करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 49 .7 करोड़ तथा महिला 47 .01 करोड़ हैं। इस चुनाव में 10 .5 लाख मतदान वेंद्र होंगे जहां 55 लाख से ज्यादा इवीएम में लोग वोट डालेंगे। विश्व के किसी कोने के आम व्यत्ति को एहसास भी नहीं होगा कि इतना बड़ा चुनावी व्यवस्था और तंत्र कहीं संभव है। वास्तव में भारतीय संसद के निचले सदन लोकसभा चुनाव पर हमेशा से विश्व की दृष्टि रही है।

चुनाव आयोग द्वारा मतदान तिथियों की घोषणा के साथ लोकसभा चुनाव की औपचारिक शुरुआत हो गईं है। जैसा मुख्य चुनाव आयुत्त राजीव वुमार ने पत्रकार वार्ता में बताया कि विश्व के कईं महाद्वीपों की जनसंख्या से ज्यादा हमारे देश के मतदाताओं की संख्या है। वुल मतदाताओं की संख्या 96.88 लाख करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 49.7 करोड़ तथा महिला 47.01 करोड़ हैं। इस चुनाव में 10.5 लाख मतदान वेंद्र होंगे जहां 55 लाख से ज्यादा इवीएम में लोग वोट डालेंगे। विश्व के किसी कोने के आम व्यत्ति को एहसास भी नहीं होगा कि इतना बड़ा चुनावी व्यवस्था और तंत्र कहीं संभव है। वास्तव में भारतीय संसद के निचले सदन लोकसभा चुनाव पर हमेशा से विश्व की दृष्टि रही है। विश्व के नेताओं और विश्लेषकों में आज भी ऐसे लोग हैं जो भारत के इतने बड़े चुनाव के शांतिपूर्ण संपन्न हो जाने पर आार्यं व्यत्त करते हैं। स्वतंत्रता के बाद हमारे देश में 17 आम चुनाव तथा लगभग 400 विधानसभा के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। अगर छोटे चुनावों को देखें तो 16 राष्ट्रपतियों एवं उपराष्ट्रपतियों का चुनाव भी इसी तरह संपन्न कराया जा चुका है। निाति रूप से इसमें चुनाव आयोग की प्रमुख भूमिका होती है लेकिन देश का राजनीतिक प्रतिष्ठान और मतदाताओं का अपनी व्यवस्था के प्रति सम्मान एवं अनुशासन नहीं हो तो यह संभव नहीं हो सकता। वास्तव में हम अपनी व्यवस्था, राजनीतिक दलों, मतदाताओं की सोच और व्यवहार की आलोचना करते हैं पर संसदीय लोकतंत्र का जो ढांचा, उससे जुड़ी हुईं जो व्यवस्थाएं हमारे समक्ष उपस्थित हैं और विश्व समुदाय की प्रशंसा पाती हैं वह इनके बगैर संभव नहीं हो सकता। इस चुनाव की विशेषता यह है कि पहली बार एक करोड़ 82 लाख मतदाता पहली बार अपना वोट डालेंगे। 20 वर्ष से 29 वर्ष के बीच के मतदाताओं की संख्या 19 करोड़ 74 लाख है। इतनी बड़ी युवा आबादी किसी देश का भविष्य होती है और मतदान द्वारा भविष्य के सत्ता और विपक्ष की भूमिका तय करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका

होती है। कोईं भी व्यवस्था संपूर्ण रूप से दोषरहित नहीं होती। कितु इतनी संख्या में मतदाताओं को संभालने के लिए लगभग 1.5 करोड़ चुनाव अधिकारी और सुरक्षा र्कमियों के साथ 2100 पर्यंवेक्षकों की भूमिका होती है। वुल 3 लाख 40 हजार से अधिक सुरक्षा बल के जवान तैनात होंगे, जिनमें सबसे ज्यादा पामि बंगाल में 92,000 तथा उसके बाद जम्मू कश्मीर में 36,000 होंगे। इसलिए हमारी वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था के संचालन में इन सबकी भूमिका स्वीकार करनी होगी। लोकसभा चुनाव हम सबको अपने उत्तरदायित्वों का भान कराता ही है यह अवसर इसका भी अहसास कराता है कि जिन्हें हम हर स्तर पर सत्ता शीर्ष पर देखते हैं केवल उनकी ही भूमिका हमारी व्यवस्था तंत्र को आगे ले जाने और बनाए रखने में नहीं होती। भारी संख्या में लोग समय-समय पर इसमें योगदान करते रहते हैं। यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की संवेदनशीलता है जिसमें चुनाव आयोग यहां तक घोषणा कर चुका है और इसकी व्यवस्था भी है कि जो मतदाता मतदान वेंद्रो तक पहुंचने की स्थिति में नहीं हैं वह घर से मतदान का विकल्प चुनते हैं तो उन्हें उपलब्ध होगा। अगर कहीं एक मतदाता ऐसा होगा तो उसके भी मतदान की व्यवस्था कराईं जाएगी। यह पहली बार होगा जब पचासी से अधिक उम्र और 40 प्रतिशत से ज्यादा दिव्यांग वाले अपने घर से मतदान कर सवेंगे। चुनाव आयोग द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार 85 वर्ष से अधिक उम्र के 82 लाख पंजीवृत मतदाता है, जबकि 2.38 लाख मतदाताओं की उम्र 100 वर्ष से अधिक है। यानी इन मतदाताओं ने अपने देश का पहला आम चुनाव भी देखा होगा या इनमें से वुछ नहीं मतदान भी किया होगा। 88.35 लाख दिव्यांग मतदाताओं की संख्या है। व्यवस्था में कमियां हैं कितु यही इन सारे लोगों को लोकतांत्रिक प्रायि का अंग बनाने की तैयारी भी दिखाता है। यही अप्रोच हमारे चुनाव प्रणाली को आज काफी सहज, सरल, सुगम और सुरक्षित बनाने में प्रमुख कारण रहा है। अगर एप्रोच में संवेदनशीलता और स्पंदनशीलता नहीं हो तो न इतना ज्यादा मतदाता जागरूकता अभियान चलाने और न ही सुरक्षा से लेकर मतदान को भ्रष्टाचार व कदाचार से मुत्त रखने के लिए इतना भारी भरकम तंत्र उपयोग में लाया जाता। एक समय था जब भारत में महिलाओं का मतदान प्रतिशत कम होता था। कितु अब यह स्थिति बदली है। विधानसभाओं से लेकर लोकसभा चुनावों में अनेक स्थानों पर मतदान करने वाली महिलाओं की संख्या ज्यादा रही है। वैसे भी 12 राज्यों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से ज्यादा हो गईं है। यानी महिलाओं में भी स्वयं को मतदाता के रूप में पंजीवृत कराने की जागरूकता बढ़ी है। इसकी कल्पना काफी पहले नहीं थी। चुनाव आयोग के आंकड़े बताते हैं कि लगातार आम चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ रहा है। यह सब यूं ही नहीं हुआ है। चुनाव आयोग और अन्य संस्थाएं मतदाता जागरूकता अभियान चलाते हैं तो इसके साथ अगर मतदाताओं को अपनी सुरक्षा का विश्वास नहीं हो तो काफी संख्या मतदान वेंद्रों तक नहीं जाएंगे। देश में जब राजनीति के अपराधीकरण का दौर था, बाहुबली मत लूटते थे, हत्या तक करते थे तब काफी संख्या में आम लोग मतदान करने से दूर रहते थे। यह स्थिति बदल गईं है । इनमें चुनाव आयोग, न्यायपालिका मीडिया सबकी भूमिका है। कितु राजनीतिक दलों को अलग कर दें तो इसका विश्लेषण पूरा नहीं होगा।

दृष्टि कोण

योग स्वास्थ्य के लिए रामबाण

आज जब प्रौद्योगिकी में उन्नति के कारण शहरीकरण से दैनिक जीवन में भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास हुआ है, मगर इस सबसे मानव फिटनेस में काफी कमी आई है। इसलिए अच्छे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगते हैं। जनमानस का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। योग हर उम्र के लोग आसानी से थोड़ी सी जगह में भी कर सकते हैं। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने स्वास्थ्य के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नए नए शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, ये अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति

यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्त का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह, ये नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कत्र्तव्यपरायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो, उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य : मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रियजनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह : अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी-मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है। सद्भावना, मैत्री, करुणा आदि से की जाने वाली शुद्धि आंतरिक शुद्धि मानी जाती है। केवल अपने भौतिक शरीर का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है। बल्कि अपने मन के विचारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना जरूरी है। शरीर और मन दोनों की शुद्धि। संतोष दूसरा नियम है। इसमें कत्र्तव्य का पालन करते हुए जो कुछ उपलब्ध हो, जो कुछ प्राप्त हो, उसी में संतुष्ट रहना। किसी प्रकार की तृष्णा न करना। तीसरा नियम है तप, इस नियम में अपने वर्ण, आश्रम, परिस्थिति और योग्यता के अनुसार स्वधर्म का पालन करना। व्रत, उपवास आदि भी इसी में शामिल किया जाता है। यानी कि स्वयं से अनुशासित दिनचर्या में रहना है। स्वाध्याय चौथा नियम है। जिससे कत्र्तव्य का बोध हो सके, मतलब शास्त्र का अध्ययन करना। महापुरुषों के वचनों का अनुपालन भी स्वाध्याय के अंतर्गत आता है। ईश्वर प्राणिधान पांचवां नियम है। ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण व संपूर्ण श्रद्धा रखना। फल की इच्छा का परित्यागपूर्वक समस्त कर्मों का ईश्वर को समर्पण करना ईश्वर प्राणिधान कहलाता है।

कुछ अलग

वारिस और वसीयत...

वक्त बदलने के साथ-साथ बातों का अर्थ, जीने का अंदाज, प्रेमालाप का तरीका तक कुछ इस कद्र बदल गया है कि हम पहचान ही नहीं पाते कि क्या यह हमारा वही संसार है जिसमें हम तन कर हमेशा 'सही को सही' और 'गलत को गलत' कहते रहे। तब की बात और थी हुजूर। तब हम सच के हक में आवाज उठाते थे, तो दस लोग हमारी हां में हां मिलाने के लिए खड़े हो जाते थे। हां में हां मिलाने वालों की तो आज भी कमी नहीं, लेकिन जमाने ने सच के अर्थ और यथार्थ के सन्दर्भ ही बदल दिए, इसलिए हां में हां मिलाने वाले अब किसी सत्कार्य के लिए खड़े होने वाले नहीं, बड़े आदमी की चाटुकारिता में अर्थ तलाशने वाले हो गए। जी, यह इस अर्थ का मतलब समझने वाला नहीं, मतलब साधने वाला है। अर्थ वहीं कालमता साहिब, कि जिसके लिए पहले कहा जाता था, 'तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफिर जाग जरा।' लेकिन आज जब मुसाफिरों को कहीं जाने की जरूरत नहीं तो भला उन्हें जागने की क्या जरूरत? अब वह गोपाल कृष्ण कहां जो सत्ताधीश होकर भी सुदामा को नहीं भूले। मिलने आए मित्र की पोटली छीन कर खोल ली। उसमें सत्तू थे, आधे-आधे बांट कर खा लिए। मानते हैं कि चुनाव करीब हैं। अब सुदामा के सत्तुओं की पोटली का महत्व बढ़ सकता है। वोट मांगने के लिए तुम्हारी पोटली की थाह लेने तेरे द्वार तक दोबारा सत्ताधीश बनने की चाह रखने वाले आएंगे। जो इनके नीचे से कुर्सी खिसका दें, ऐसे विपक्षी भी तेरा द्वार खटखटाएंगे। भला तेरी सत्तुओं की पोटली में इतनी कुव्वत है कि वह आधी-आधी बंट कर दोनों का पेठ भर सके? अजी क्या गए बीते जमाने की बातें करते हो? पेट तो देखो इन भद्रजनों के भरे-भराये हैं। वे तेरे सत्तू बांटने नहीं तुझे अपने सपने के एक टुकड़े की खैरात देने आए हैं। पिछली बार पांच साल पहले सपनों की आमद का भ्रमजाल बिछा तेरे मतपत्रों का जिंदाबाद ले गए थे। फिर तुझे या तेरी पोटली या उसमें बंधे सत्तू भूल अपनी साइकिलों को आयातित गाडियां बनाने में लगे रहे। अब चुनाव युग आने की घंटी टनटनायी तो फिर तेरी सुदामा का सुदामा रह जाने और उसकी पोटली के और भी फट जाने की याद आई। अब उसकी उधडऩ सीने के लिए नारों के नए सूई-धागे के साथ सपनों का नया टुकड़ा भी लाए हैं। देखो, हर हाथ को काम देने का वायदा था, उसकी सुध नहीं ली। उस वायदे के चेहरे पर 'अपना हाथ जगन्नाथ' और 'स्वरोजगार' की सफेदी की पुताई करते रहे। अब फिर तेरे वोट मांगने का समय आया तो तेरी पोटली मुंह बाये है। इस बीच तो इसका मुंह और भी खुल गया। बीच के चार दांत भी गायब हो गए। नेता जी क्या जवाब दें? गरीब की पोटली तो वैसे ही रहनी थी। अब क्या इस फेर में हर दिन अपनी भारी भरकम होती जा रही गठरी को भी गंवा दें? साहिब, चाहे सब कुछ बंटाधार हो जाए, लेकिन देश की लोक संस्कृति, लोक जीवन और लोकतंत्र पर आंच नहीं आने देनी है। पहले भी नहीं आने दी थी। एक दो नहीं पूरे पांच राज्यों में चुनाव करवा डाले। ईवीएम मशीनों की धूल-मिट्टी झड़ गई। अगर इस बीच दाना-पानी के अभाव में चंद लोग मिट्टी में मिट्टी हो गए, तो क्या गम? सब पास हो गए, किसी को फेल नहीं होने दिया। देख लो शिक्षा क्रांति हो गई और युवा पीढ़ी भी एक दर्जा ऊपर चली गई। यह महिला सशक्तिकरण का जमाना है, और तुम लोग उनकी आर्थिक दुर्दशा की बात करने लगे। अरे समझदारों ने कैसे-कैसे हल निकाल लिया। जिंदगी मौत का भरोसा नहीं। समस्या है अपनी अगाध सम्पदा की वसीयत किसके नाम लिखें? यारों के पास इसका समाधान है। किराए की कोख लेकर बिना नजदीक गए अपने लिए वारिस पैदा करवा लीजिए।

देश दुनीया से

वनों से शहरी हरित स्थानों तक की यात्रा

वर्ष 2007-2008 के दौरान विश्वविद्यालय में एक मुख्य बाधा थी मार्गदर्शकों की कमी। वन्यजीव जीवविज्ञान उस समय लोकप्रिय विकल्प नहीं था, ज्यादातर छात्र वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी जैसे परंपरागत पाठ्यक्रमों को चुनते थे। गनीमत रही कि डॉ. अखिला हिरेमठ से परिचय होने से उन्हें पारिस्थितिक अनुसंधान में बहुमूल्य जानकारी मिली, जिसने उन्हें इस क्षेत्र की जटिलताओं को समझने में मार्गदर्शन दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी कॉलेज में स्नातक की पढ़ाई के दौरान ही डॉ मोनिका कौशिक की इस रोमांचक यात्रा की शुरुआत हुई। वनस्पति विज्ञान (बॉटनी) में बीएससी की पढ़ाई करते समय, उन्हें इस बात का बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि वन्यजीव जीव विज्ञान (वाइल्डलाइफ बायोलॉजी) और पारिस्थितिकी (इकोलॉजी) उनके संभावित कैरियर विकल्प बन सकते हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय में ही पर्यावरण जीव विज्ञान (एनवायर्नमेंटल बायोलॉजी) में परास्नातक डिग्री हासिल करने के दौरान ही उनके सामने इससे छिपी संभावनाएं सामने आई। समुदाय पारिस्थितिकी (कम्युनिटी इकोलॉजी) और वन्यजीव जीव विज्ञान के पाठ्यक्रमों ने उनके लिए एक नया संसार उजागर कर दिया, जिसने पारंपरिक कक्षाओं की सीमाओं को पार करते हुए उनके अंदर एक जुनून पैदा किया। यही जुनून अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया, चंबल वन्यजीव अभयारण्य की एक फील्ड ट्रिप के दौरान। वहां घड़ियालों के लिए चलाए जा रहे मनमोहक संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम (कैप्टिव ब्रीडिंग प्रोग्राम) ने उनके ऊपर एक अमिट छाप छोड़ी। स्थानीय जैव विविधता पहलों में सक्रिय भागीदारी के साथ यह अनुभव उनके जुनून को और उत्तेजित करने लगा, जो अब पारंपरिक शिक्षा की सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका था। उन्हें अब समझ आने लगा था कि वन्यजीव जीव विज्ञान सिर्फ जंगली जानवरों की तस्वीरें लेने के बारे में नहीं है, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्रों के भीतर जटिल संबंधों को समझने के बारे में भी है।

महत्वपूर्ण क्षणः लैंटाना और एवियन बीज फैलाव की गतिशीलता की खोज : स्नातकोत्तर अध्ययन के वर्षों में, खासकर वाइल्डलाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया में पीएचडी के दौरान, उनकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने कर्नाटक में एक इंटर्नशिप के लिए अशोक ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट (एटीआरई) से डॉ. अंकिला हिरेमथ से संपर्क किया। डॉ. हिरेमथ ने उनका अपने एक प्रोजेक्ट में स्वागत किया, जो बिलीगिरी रंगा स्वामी मंदिर वन्यजीव अभयारण्य में लैंटाना की गतिशीलता पर केंद्रित था। यह इंटर्नशिप लैंटाना (लैंटाना एक ऐसा सुन्दर पौधा है जो देखने जितना मनमोहक है उतना ही हानिकारक भी है पशुओं के लिए), देशी पक्षी समुदायों और पक्षियों द्वारा बीज फैलाने के संबंधों पर केंद्रित थी। उनका विशेष ध्यान लैंटाना के देशी फलदार पौधों के बीज फैलाने पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने पर था, जिसने क्षेत्र में उनके निरंतर प्रयासों की नींव रखी थी।

चुनौतियों से निपटना, एक यात्रा : बीते सालों को याद करते हुए, वे खुलकर उन चुनौतियों के बारे में बताती हैं जिनका सामना उन्हें करना पड़ा। वर्ष 2007-2008 के दौरान विश्वविद्यालय में एक मुख्य बाधा थी मार्गदर्शकों की कमी। वन्यजीव जीवविज्ञान उस समय लोकप्रिय विकल्प नहीं था, ज्यादातर छात्र वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी जैसे परंपरागत पाठ्यक्रमों को चुनते थे। गनीमत रही कि डॉ. अखिला हिरेमठ से परिचय होने से उन्हें पारिस्थितिक अनुसंधान में बहुमूल्य जानकारी मिली, जिसने उन्हें इस क्षेत्र की जटिलताओं को समझने में मार्गदर्शन दिया। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपनी इंटर्नशिप के बारे में साझा किया जिसके दौरान उन्हें अलग राज्य में इंटर्नशिप करने का मौका मिला। उनका परिवार ज्यादा पढ़ा लिखा न होने के बावजूद शिक्षा की महत्वता को भली भाँति समझता था, उनके पिताजी हमेशा से चाहते थे की उनकी बेटी डॉक्टर बने और अपने सपनो को पूरा करे और यही जूनून डॉ मोनिका में भी था इसीलिए सारी बाधाओं को पार करके अपने सपने को पूरा भी किया। इन सब के बावजूद अपने परिवार को समझाना उनके लिए कोई आसान काम नहीं था, विशेषकर ऐसी फील्ड के लिए राज़ी करना जहाँ जंगली जानवर तो थे ही साथ में कम महिलाओ का होना भी एक चिंता का कारण बना हुआ था। डॉ मोनिका बताती है कि उनके परिवार की चिंता तब दूर हुई जब उन्हें यह बताया गया कि उन्हें एक महिला सलाहकार सहित अन्य शोधकर्ताओं के साथ बेस कैंप में तैनात किया जाएगा। शुरुआत के दिनों में उन्हें वन अधिकारियों के फ्रंटलाइन कर्मचारियों का रुखा व्यव्हार देखने को मिला लेकिन उनके लिए फ्रंटलाइन कर्मचारियों से मान्यता प्राप्त करना प्राथमिक लक्ष्य नहीं था। उनके दिमाग बस इस बात पर केंद्रित था कि कैसे उन्हें चुनौतियों के बावजूद अपना काम पूरा करना है।

आप का नजरीया

परिसर में हिंसक भीड़

आज एक ऐसा मुद्दा उठा रहे हैं, जो हमारे शिक्षण-संस्थानों के भीतर हिंसक भीड़ और उनके हमलों से जुड़ा है। यह भीड़ हमारी संस्कृति और हमारे मूल्यों से जुड़ी नहीं है, बल्कि एक देश के तौर पर हमें कलंकित करती है। जब मामला विदेशी छात्रों पर हिंसक हमले का सामने आता है, तब हमारे चिंता और सरोकार बढ़ जाते हैं। चूंकि दुनिया एक कुटुम्ब की तरह, आपस में अंतरंग रूप से, जुड़ रही है, लिहाजा यह उच्च शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों की बुनियादी जिम्मेदारी बन जाती है कि वे अधिक शांतिपूर्ण, सहिष्णु, समावेशी, सुरक्षित और स्थिर समाज के कारक और प्रोत्साहक बनें। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) का सिद्धांत और ब्रह्मवाक्य भी है। बीते शनिवार को गुजरात यूनिवर्सिटी के अहमदाबाद परिसर में एक भीड़ ने 5 विदेशी छात्रों पर तब हमला किया, जब वे रमजान के पाक महीने में नमाज पढ़ रहे थे। ऐसे हमले हमारी शिक्षा नीति के सिद्धांत, उसकी प्रतिबद्धता और आश्वासन को खंडित करते हैं। वीडियो में करीब 25 युवा छात्र विदेशी छात्रों पर हमले करते दिख रहे थे। श्रीलंका, अफगानिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के 1-1 घायल छात्र को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यकीनन यह आपराधिक घटना थी और विश्वविद्यालय के परिसर में कानून-व्यवस्था का सरासर उल्लंघन किया गया। फिर भी विश्वविद्यालय प्रशासन ने कानून को हाथ में लेकर लीपापोती की कोशिश की। हालांकि दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने सिर्फ यह बयान दिया कि वह गुजरात सरकार के संपर्क में है। वह और कर भी क्या सकता था? दूसरी आश्चर्यजनक प्रतिक्रिया यह सामने आई कि हिंसक हमले के पीड़ितों को ही 'दोषी' करार देने की कोशिश की गई। मुद्दा यह है कि ऐसा हमला विदेश में भारतीय छात्रों के साथ भी हो सकता था। ऐसी घटनाएं होती भी रही हैं। तब हम कैसा महसूस करते हैं? हम तसल्ली देते रहे हैं कि ऐसी घटनाएं परंपरा और सिलसिलेवार नहीं हैं। ये अपवाद के तौर पर होती हैं। बेशक ये कानून का कठोर उल्लंघन हैं। ऐसी ही तसल्ली हमें विदेशी छात्रों को देनी चाहिए। हालांकि हमले के तुरंत बाद कुलपति नीरजा गुप्ता ने विदेशी छात्रों को आश्वस्त किया कि वह उन्हें एक अलग होस्टल में शिफ्ट कर देंगी। विदेशी छात्रों की सुरक्षा के लिए यह बेहद जरूरी है। यह भी कोई सौहार्द का कदम नहीं है। छात्रों को आपस में घुल-मिल कर रहना और पढऩा सीखना चाहिए, लेकिन कुलपति ने यह आत्ममंथन नहीं किया कि विदेशी छात्रों पर हमले क्यों और कैसे किए गए? विदेशी छात्र कोई भी हों, उन्हें सांस्कृतिक तौर पर संवेदनशील होना ही चाहिए। इस घटना ने साबित कर दिया है कि हमें अब भी सांस्कृतिक अनुकूलन की जरूरत है। क्या यह दायित्व विदेशी छात्रों का है? हमारे संविधान में धार्मिक आजादी का मौलिक अधिकार बहुत महत्वपूर्ण है, लिहाजा नमाज पढऩे वालों की स्वतंत्रता और गरिमा का भी सम्मान किया जाना चाहिए था। सवाल तो यह भी है कि विश्वविद्यालय परिसर में भीड़ कहां से आई, हथियार कहां से आए? यदि भीड़ वाले भी वहीं के छात्र थे, तो उन पर क्या कार्रवाई की गई? भीड़ घटनास्थल से आराम से चली कैसे गई? भारत के बहुत कम विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर 'सर्वश्रेष्ठ' आंके गए हैं। कमोबेश गुजरात यूनिवर्सिटी उनमें से एक नहीं है।

वाराणसी में प्रधानमंत्री मोदी के मुकाबले कांग्रेस ने अजय राय पर फिर लगाया दांव

वाराणसी (हिंस)। लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस नेतृत्व ने वाराणसी संसदीय सीट पर अपने उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अजय राय को फिर उतारा है। प्रदेश के पूर्व मंत्री अजय राय लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (भाजपा के उम्मीदवार) के विजय रथ को रोकने के लिए सियासी दमखम दिखायेंगे। पिछले दो चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने सियासी जंग में तीसरे स्थान पर रहे। अजय राय की जमानत भी नहीं बच पाई थी। खास बात यह रही कि दोनों चुनाव में अजय राय कभी भी मुख्य मुकाबले में नहीं दिखे। पहली बार वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (भाजपा उम्मीदवार) के सामने कांग्रेस ने अजय राय को उतारा था। चुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार अरविंद केजरीवाल दूसरे और अजय राय तीसरे स्थान पर रहे। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में फिर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने अजय राय को पार्टी का उम्मीदवार बनाया। चुनाव में सपा बसपा गठबंधन की शालिनी यादव दूसरे और अजय राय तीसरे स्थान पर रहे। गौरतलब हो कि अजय राय ने अपने सियासी सफर की शुरुआत भाजपा से ही की थी। वर्ष 1996 से लेकर वह 2007 तक वह भाजपा के टिकट से ही लगातार तीन बार विधायक बने। अजय राय ने वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से टिकट मांगा तो तब भाजपा के कद्दावर नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी को टिकट मिल गया। इससे नाराज अजय राय ने डॉ. जोशी का खुलकर विरोध किया था और पार्टी से अलग हो गए। तब चुनाव में डॉ. जोशी ने जीत हासिल की। उधर, 2009 में अजय राय निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पिंडरा विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव में लड़े और जीत हासिल की। इसके बाद 2012 में वे कांग्रेस से जुड़े और पिंडरा सीट से जीत हासिल की। 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में पिंडरा से ही अजय राय को भाजपा के डॉ. अवधेश सिंह ने करारी शिकस्त दी। पहले लोकसभा चुनाव 1952 में वाराणसी सीट से कांग्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रघुनाथ सिंह को उतारा था। तब रघुनाथ सिंह ने लगातार तीन बार-1952, 1957 व 1962 में जीत दर्ज की थी। इसके बाद बाद 1967 में सीपीएम प्रत्याशी सत्यनारायण सिंह ने कांग्रेस के गढ़ को ध्वस्त कर रघुनाथ सिंह को धुल चटा दिया था। तब सीपीएम के सत्यनारायण सिंह को 138789 मत मिला था। सत्यनारायण सिंह से जब काशीवासियों का मोहभंग हुआ तो 1971 में कांग्रेस के राजाराम शास्त्री को फिर सेवा का मौका दिया। तब पाकिस्तान को जंग में करारी शिकस्त देकर उसे दो टुकड़ों में बांट देने के बाद पूरे देश में कांग्रेस नेतृत्व इंदिरा गांधी की प्रचंड लहर भी चल रही थी। इसके बाद देश में आपातकाल का दौर आया। इससे काशी भी अछूती नहीं रही। आपातकाल के बाद हुए संसदीय चुनाव में काशी ने संयुक्त विपक्ष के प्रत्याशी चन्द्रशेखर(पूर्व प्रधानमंत्री) को जीताकर राजाराम शास्त्री को करारी शिकस्त खाने के लिए मजबूर कर दिया। लेकिन कुछ ही समय में सरकार और प्रत्याशी से मोहभंग होने के बाद काशी ने वर्ष 1980 के संसदीय चुनाव में कांग्रेस के धुरंधर स्थानीय नेता पं. कमलापति त्रिपाठी को सिर माथे पर बिठा लिया। पंडित जी को कुल 129063 मत और विपक्षी दल के स्थानीय कद्दावर समाजवादी नेता राजनारायण को कुल 104328 मत मिला। इसके बाद जनता ने 1984 में फिर कांग्रेस पर भरोसा जता स्थानीय प्रत्याशी श्यामलाल यादव को विजेता बनाया। यादव को कुल 153076 मत और सीपीआई के दिग्गज कामरेड ऊदल को 58664 मत मिला था। इसके बाद आया बोफोर्स घोटाले का दौर काशी ने भी इससे नाराज होकर सत्ता के विपरीत चलने का मन बना लिया। 1989 में हुए लोकसभा चुनाव में जनता दल के प्रत्याशी और काशी के लाल लालबहादुर शास्त्री के पुत्र अनिल शास्त्री पर बाबा की नगरी का प्यार बरसा। अनिल शास्त्री ने कुल 268196 मत पाकर कांग्रेस के श्यामलाल यादव को पटखनी दी। इसके बाद आया राममंदिर निर्माण के लिए भाजपा के रथयात्रा और बाबरी मस्जिद विध्वन्स का दौर। काशी पर भी भगवा रंग चटख होने लगा। 1991 में भाजपा के प्रत्याशी और पूर्व डीजीपी श्रीशचन्द्र दीक्षित को काशी ने सिर माथे पर बैठाया। दीक्षित को कुल 186333 मत और उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी सीपीएम के राजकिशोर को 149894 मत मिला था। इसके बाद वर्ष 1996 में भाजपा के शंकर प्रसाद जायसवाल पर फिर जनता ने भरोसा जताया। 1998 में दोबारा और 1999 में तीसरी बार शंकर प्रसाद जायसवाल को काशी ने विजयश्री का वरण कराया। तीन बार लगातार सेवा का मौका पाने के बाद भी जनआकांक्षा पर खरे न उतरने पर शंकर प्रसाद जायसवाल को 2004 में जनता ने पटखनी दे दी। और कांग्रेस के स्थानीय दिग्गज छात्रनेता डॉ. राजेश मिश्र पर जमकर प्यार बरसा उन्हें विजेता बना दिया। इसके बाद भाजपा के दिग्गज नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने 2009 के चुनाव में यह सीट कांग्रेस से छिन ली। काशी की जनता ने भाजपा के आधार स्तम्भ नेता पर भरोसा जता कुल 203122 मत देकर उन्हें विजयश्री का वरण कराया। इसके बाद आया वर्ष 2014 का दौर तत्कालीन केंद्र सरकार के नीतियों से खफा काशी ने फिर धारा से विपरित चलने का निर्णय लिया। तब पूरे देश के राजनीतिक क्षितिज पर धूमकेतू की तरह उभरे भाजपा संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी पर भरपूर प्यार लूटा काशी ने उन्हें रिकार्ड मतों से जीता इतिहास रच दिया।

टॉप टेन अपराधियों में शुमार आशीष पासवान गिरफ्तार

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज थाना पुलिस ने टॉप टेन अपराधियों में शुमार आशीष पासवान को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उसके अलावा पुलिस ने तीन किलो गांजा के साथ दो अन्य को भी गिरफ्तार किया। जानकारी फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने दी। अररिया एसपी अमित रंजन के निर्देश पर अगामी लोकसभा चुनाव एवं होली पर्व को लेकर फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी, अवैध शराब की बरामदगी एवं अवैध मादक पदार्थ के बरामदगी के लिए विशेष छापामारी की जा रही है। इसी क्रम में फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा की अगुवाई में फारबिसगंज थाना पुलिस ने यह कामयाबी हासिल की। अररिया एसपी को गुप्त सूचना मिली कि फुलकाहा थानान्तर्गत ग्राम भैरवार बारमौतर में टॉप टेन अपराधी ढोलबज्जा वार्ड संख्या 13 निवासी आशीष पासवान पिता-प्रमोद पासवान अपने ससुराल में छिपा हुआ है। सूचना पर एसपी की ओर से एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा के नेतृत्व में गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया। जिनके द्वारा छापेमारी कर आशीष पासवान को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आशीष पासवान पूर्व से कई लूट, डकैती एंव डकैती की योजना बनाने तथा आर्म्स एक्ट के कांडों में आरोप पत्रित एवं वांछित रहे हैं। वही दूसरी ओर फारबिसगंज थाना क्षेत्र के समौल से पुलिस ने दो गांजा कारोबारी को रंगेहाथ तीन किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने समौल वार्ड संख्या 14 से 25 वर्षीय सूरज कुमार, 35 वर्षीय कोलम्बिया यादव को गिरफ्तार किया।

जदयू ने लोस चुनाव के लिए बिहार में 16 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की

पटना (हिंस)। लोकसभा चुनाव के लिए जदयू ने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। पार्टी कार्यालय में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सहमति से वरिष्ठ नेता वशिष्ट नारायण सिंह ने रविवार को पत्रकार वार्ता कर 16 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। इसमें पांच अति पिछड़े, छह पिछड़े, तीन सवर्ण, एक दलित और एक मुस्लिम प्रत्याशी हैं। इसके साथ पार्टी ने अपने दो वर्तमान सांसदों का टिकट काट दिया है। सीतामढ़ी से सुनील कुमार पिंटू और सिवान से कविता सिंह बेटिकट कर दी गयी हैं। किसे कहां से मिला टिकट- वाल्मिकीनगर- सुनील कुमार, शिवहर-लवली आनंद, सीतामढ़ी-देवेश चंद्र ठाकुर, झंझारपुर-रामप्रीत मंडल, सुपौल-दिलेश्वर कामत, कटिहार-दुलालचंद, पूर्णिया-संतोष कुशवाहा, मधेपुरा-दिनेश चंद्र यादव, गोपालगंज-आलोक कुमार सुमन, सिवान-विजयलक्ष्मी कुशवाहा, भागलपुर-अजय कुमार मंडल, बांका-गिरधारी यादव, मुंगेर-राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, नालंदा-कौशलेंद्र कुमार, जहानाबाद-चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, किशनगंज-मुजाहिद आलम उर्फ मास्टर मुजाहिद, भाजपा के सहमति से तय किए गए उम्मीदवार राष्ट्रीय महासचिव संजय झा ने बताया कि भाजपा से बातचीत कर जदयू ने उम्मीदवारों की सूची जारी की है। भाजपा भी आज उम्मीदवारों के नाम जारी करेगी। दोनों पार्टियों ने आपस में बातकर पूरी सूची तैयार की है। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि एनडीए एकजुट है। सीटों के बंटवारे से लेकर उम्मीदवारों के चयन में कहीं कोई विवाद नहीं हुआ। दूसरी ओर, महागठबंधन में सिर फुटव्वल की स्थिति है। कोई सिंबल लेकर भाग रहा है तो कोई सीट बंटवारे के लिए गिड़गिड़ा रहा है। इससे साफ है कि एनडीए बिहार में 40 की 40 सीट जीतने वाली है।

कैमिकल फैक्ट्री में छह मजदूर जिंदा जले, ग्रामीणों का शव उठाने से इनकार

जयपुर (हिंस)। बस्सी थाना इलाके के बैनाड़ा में शनिवार शाम केमिकल फैक्ट्री में काम कर रहे छह मजदूरों की जिंदा जलकर मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए। हादसा फैक्ट्री में बॉयलर फटने के बाद लगी आग से हुआ। मृतकों के परिजनों-ग्रामीणों ने शव उठाने से इनकार कर दिया है। परिजन मुआवजा, फैक्ट्री मालिक के खिलाफ कार्रवाई, अवैध फैक्ट्री को बंद करने और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस- प्रशासन के अधिकारी समझाइश का प्रयास कर रहे हैं। रविवार सुबह समाचार लिखे जाने तक शव उठाने पर सहमति नहीं बन पाई थी। पांच जले शव शनिवार शाम से ही फैक्ट्री रखे हुए हैं। जबकि एक शव सवाई मानसिंह अस्पताल में रखा है। फैक्ट्री के बाहर देर रात से ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा है। हादसे के बाद से गांव में चूल्हे नहीं जले हैं। दो गंभीर घायलों का एसएमएस अस्पताल में उपचार चल रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त मुकेश चौधरी ने बताया कि बस्सी थाना क्षेत्र में स्थित शालीमार फैक्टरी में शनिवार शाम करीब 6:30 बजे बायलर फटने से आग लग गई। हादसे में छह मजदूरों

की जिंदा जलकर मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से झुलसे दो अन्य मजूदरों का सवाई मानसिंह अस्पताल की बर्न यूनिट में उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलने पर दमकल गाड़ियां और बचाव दल को मौके पर पहुंचाया गया। दमकल की नौ गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस उपायुक्त कावेंद्र सिंह सागर के अनुसार मृतकों की शिनाख्त बैनाड़ा निवासी हीरामल गुर्जर (30), गोकुल हरिजन (35), कृष्ण गुर्जर (30), मनोहर गुर्जर (32) बिशनपुरा निवासी बाबूलाल मीणा (42) के रूप में की गई है। बाबूलाल फैक्ट्री में सुपरवाइजर था। वहीं छठा मृतक मथुरा का रहने वाला है, जिसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। जयपुर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने कहा कि हादसे की जांच की जा रही है। आग लगने की घटना में फैक्टरी मालिक से लेकर जिस किसी भी व्यक्ति की लापरवाही सामने आएगी, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि बस्सी थाना इलाके के बैनाडा में आबादी क्षेत्र में शालीमार केमिकल फैक्टरी संचालित हो रही थी। फैक्टरी में रोड और बिल्डिंग निर्माण में काम आने वाले केमिकल को बनाया जाता है। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्टरी में काम करने वाले कर्मचारी मुकेश देव ने बताया कि बॉयलर फटने से धमाके की आवाज आई। इसके बाद लोग इधर-उधर भागने लगे। इसी दौरान बॉयलर की चपेट में आने वाले पांच-सात लोग बाहर दौड़ते हुए दिखाई दिए। जो चिल्लाने लगे, अंदर कई लोग आग की चपेट में हैं। इसके बाद बाहर से लोगों को बुलाया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जवानों के साथ होली मनाने लेह पहुंचे

जम्मू (हिंस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सेना प्रमुख मनोज पांडे के साथ रविवार को लद्दाख के लेह में जवानों के साथ होली मनाने के लिए पहुंचे। लेह हवाई अड्डे पर रक्षा मंत्री का लद्दाख के उपराज्यपाल बीडी मिश्रा, प्रशासन व सेना के उच्च अधिकारियों ने स्वागत किया। रक्षा मंत्री ने लेह में हॉल ऑफ फेम पर देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों को याद करते हुए पुष्पांजलि भी अर्पित की। इस दौरान राजनाथ ने जवानों के साथ होली मनाई। उन्हें गुलाल लगाते हुए मिठाई भी खिलाई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को विश्व के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में जवानों के साथ होली मनाने के लिए पहुंचाने वाले थे लेकिन मौसम में हुए बदलाव के कारण उन्हें सियाचिन दौरे को रद्द करना पड़ा और उन्होंने लेह में जवानों के साथ होली मनाई।

कांग्रेस मजबूत नहीं रही तो उत्तर कोरिया, चाइना जैसे हो जाएंगे हालात : गहलोत

पाली (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश में वर्तमान हालात खतरनाक मोड़ पर हैं। दो-दो मुख्यमंत्री जेल में हैं। ईडी, सीआईडी और इनकम टैक्स का दुरुपयोग कर विपक्ष में भय का माहौल पैदा किया जा रहा है। देश में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। इतना समझ लें कि देश भर में हवा चल रही है कि इस बार भाजपा भारी बहुमत से जीत दर्ज करती है तो अगला चुनाव होगा या नहीं, यह भी तय नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत रविवार को सुमेरपुर रोड स्थित एक रिसोर्ट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। वे कांग्रेस से लोकसभा प्रत्याशी संगीता बेनीवाल के समर्थन में प्रचार करने पाली आए थे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सभी खुद को प्रत्याशी समझें और चुनाव में अभी से जुट जाएं। ताकि इस बार पिछली लोकसभा से अलग परिणाम देखने को मिले। क्योंकि हम यानी कांग्रेस मजबूत नहीं रही तो देश में उत्तर कोरिया, चाइना और रशिया जैसे हाल हो जाएंगे। चुनाव होंगे या नहीं यह भी सरकार तय करेगी और प्रत्याशी कौन होगा यह भी सरकार तय करेगी। जो लोकतंत्र के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों

ने देश हित में बहुत काम किए, लेकिन वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनका नाम तक नहीं लेते। इंदिरा गांधी ने खालिस्तान नहीं बनने दिया। पाकिस्तान के दो टुकड़े करवा दिए, लेकिन उनके नाम का वर्तमान प्रधानमंत्री कोई जिक्र तक नहीं करते। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हजारों कांग्रेसी सनातन धर्म को मनाने वाले हैं, भगवान श्रीराम का नाम बचपन से लेते आ रहे हैं। स्थिति यह है कि हम सनातनधर्मी हैं या नहीं, इसका प्रमाण पत्र भी भाजपा वाले देने लगे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भीमराज भाटी ने पाली विधानसभा सीट जीतकर पाली जिले में कांग्रेस की बोहनी (शुरुआत) करवाने का काम किया है। अब इनकी जिम्मेदारी है कि यहां से लोकसभा सीट जितवाकर कांग्रेस का खाता खुलवाएं। पाली की पंचायत सच में भारी होती है। इसलिए वे इस बार किसी तरह की पंचायती नहीं करेंगे। बस पालीवासियों का साथ देंगे और जहां भी उनकी पैरवी करनी पड़ेगी। उसके लिए तैयार रहेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में पांच साल में बहुत जनहित के काम किए। जिसमें वृद्धजन पेंशन, महंगाई राहत शिविर, पानी की योजना, बिजली फ्री, निशुल्क मोबाइल दिए फिर भी सरकार नहीं बन पाई। क्योंकि चुनाव में भाजपा ने झूठे आरोप लगाए जिससे कांग्रेस को नुकसान हुआ। धर्म के नाम पर लोगों को भाजपा ने भटकाया। हमने विकास की बात पर वोट मांगे लेकिन उन्होंने अफवाह फैलाई कि कांग्रेस आ गई तो सनातन धर्म खतरे में पड़ जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीज दर्द, केवलचंद गुलेच्छा, शिशुपालसिंह राजुपरोहित, महावीरसिंह सुकरलाई, खुशवीरसिंह जोजावर, सेवादल के देश अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत, अभिमन्यु सिंह फालना, जबरसिंह राजपुरोहित, ऐश्वर्या सांखला, हरीशंकर मेवाड़ा सुमेरपुर, नीलम बिड़ला, प्रकाश सांखला, मोहन हटेला, सुमित्रा जैन, हकीम भाई, मेहबूब टी, यशपालसिंह कुम्पावत, ओमा चौधरी, आमीन अली रंगरेज सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घोटालों की जननी है कांग्रेस पार्टी : कोचे मुंडा

खूंटी (हिंस)। भाजपा के खूंटी लोकसभा संयोजक और तोरपा के विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी घोटालों की जननी है। कांग्रेस ने एक लाख 80 हजार करोड़ रुपए का कोयला, लाख 76 हजार करोड़ का 2जी स्पेक्ट्रम घेटाला, 3600 करोड़ रु का हेलीकाप्टर, 70 हजार करोड़ का कॉमनवेल्थ गेम्स और पांच हजार करोड़ का नेशनल हेराल्ड घोटाला किया। कोचे मुंडा रविवार को तोरपा के ममरला स्थित अपने आवासीय कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। विधायक नें कहा कि कांग्रेस ऐसी भ्रष्ट पार्टी है, जो घोटाला पकड़े जाने पर केंद्र सरकार, भाजपा और आयकर विभाग को कटघरे में खड़ा कर जनता की आखों में धूल झोंकने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग ने डिफॉल्टर होने के कारण कांग्रेस की बकाया टैक्स राशि 115 करोड़ के प्रयोग पर ही रोक लगाई है, न कि बैंक अकाउंट को फ्रीज किया है। आयकर मामले

में कांग्रेस द्वारा अपने खाते फ्रीज होने की तुलना लोकतंत्र की हत्या से करना, देश का अपमान है। विधायक ने कहा कि सारे प्रावधानों की जानकारी होने के बावजूद कांग्रेस ने 14 लाख नगद चंदा लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आयकर मामले में हर न्यायालय और ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उसे हर जगह मुंह की खानी प ी। कोचे मुंडा ने कहा कि राजनीतिक दलों के लिए प्रावधाान है कि वह 20 हजार से अधिक का नकद चंदा नहीं ले सकती। प्रावधान की जानकारी होने के बाद भी कांग्रेस ने 14 लाख रु नगद चंदा लिया। इन कानूनों का उल्लंघन करने पर राजनीतिक पार्टियों को कर में मिलने वाली छूट पर रोक लगा दी जाती है। कांग्रेस ने इस मामले में वसूल की जाने वाली राशि पर रोक के लिए पहले कमिश्नर अपीलेट में अपील की, जहां नोटिस पर रोक लगाने की अर्जी को खारिज कर दिया गया। इसके बाद कांग्रेस आयकर अपीलेट ट्रिब्यूनल और फिर दिल्ली उच्च न्यायालय पहुंची, दोनों ही जगहों से कांग्रेस को फटकार मिली और नोटिस पर रोक लगाने से मना कर दिया गया। विधायक ने कहा कि इतने बड़े-बड़े घोटाले करने के बाद राहुल गांधी कहते हैं कि ट्रेन से आने-जाने के लिए पैसे नहीं हैं।

मुस्लिम महिलाओं ने गुलाल लगाकर दिया मोहब्बत का संदेश

वाराणसी (हिंस)। चुनावी रंग में सब रंगने लगे हैं और नफरत की खाई भी बढ़ने लगी है। ऐसे में लोगों के दिलों को जोड़ने और नफरत की खाई पाटने के लिए मुस्लिम महिलाओं ने होली की पूर्व संध्या पर शनिवार को मोहब्बत और यकजहती का संदेश दिया। मुस्लिम महिला फाउंडेशन एवं विशाल भारत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मुस्लिम महिलाओं का होली मिलन कार्यक्रम लमही स्थित सुभाष भवन में आयोजित किया गया। चेहरे पर गुलाल लगा ढोल की थाप पर होली का गीत गा रही मुस्लिम महिलाओं ने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही नफरत को अस्वीकार कर दिया। होली पर सबको एक रहने का पाठ पढ़ाया। मुस्लिम महिलाओं ने गीत गाये *हमहू अयोध्या जाईब, रामलला के रंग लगाइब। देशवा विदेशवा क लोगवा अइहे, होली में सब पर रंगवा फेकइहे। कोई न बच पाई हो रामा, हमहू तोके रंग लगाइब हो रामा। कोई न बच पाई हो रामा, हमहू तोके रंग लगाइब हो रामा।* इस अवसर पर फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नाजनीन अंसारी ने कहा कि हमारे पूर्वजों के खून में होली का रंग भी है शामिल, कोई इसे कैसे अलग कर सकता है। किसी कट्टरपंथी की धमकी से हम होली खेलना बन्द नहीं करेंगे। यह भारत का त्योहार है। हमारे पूर्वजों ने होली के बहाने मिलन का अवसर दिया है, इसे हम कैसे छोड़ दें। हिंदू मुस्लिम संवाद केंद्र की चेयरपर्सन डॉ. नजमा परवीन ने कहा कि खून की होली खेलने वालों के लिए यह खुली चुनौती है, हम न अपने पूर्वजों को छोड़ेंगे और न उनकी परम्पराओं को। होली हमारी संस्कृति का हिस्सा है। विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव ने कहा कि पूर्वजों और परम्पराओं ने हिंदू मुसलमानों को एक कर दिया है।

लखनऊ में होली मिलन की धूम, जनता के दिल से दिल जोड़ रहे जनप्रतिनिधि

लखनऊ (हिंस)। लखनऊ में रविवार से शुरू हो गए होली मिलन कार्यक्रमों में आयोजक व जनप्रतिनिधि जनता के दिल से अपने दिल जोड़ रहे हैं। लोकसभा चुनाव के मौसम में आयी होली खुशियों के रंगों से सराबोर है। होली मिलन कार्यक्रमों में रंग, अबीर-गुलाल लगाकर लोग अपने जनप्रतिनिधि को होली और चुनाव में विजय की शुभकामनाएं दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा के आवास पर होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। डॉ. दिनेश शर्मा के आवास पर होने वाले होली मिलन कार्यक्रम में भाजपा से जुड़े कार्यकर्ता, सांसद समर्थक और लखनऊ के तमाम कार्यकर्ता पहुंचें। इस बार होली मिलन कार्यक्रम में विशेष रुप से भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह पहुंचें। पंकज सिंह के कार्यक्रम में पहुंचते ही उन्हें लखनऊ के लोगों ने गुलाल-अबीर लेकर घेर लिया। पंकज सिंह ने सभी लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन

व अभिनंदन किया। बालागंज में सेंट जोसेफ इंटर कॉलेज के होली मिलन कार्यक्रम में भी प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक पंकज सिंह और लखनऊ उत्तर विधायक नीरज बोरा पहुंचे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने लट्ठमार होली खेली का भरपूर आनंद उठाया। रंगोत्सव के पावन पर्व पर लखनऊ की जनता का पंकज सिंह ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया और होली की शुभ ॉ कामनाएं दी। चौक क्षेत्र में सर्राफा एसोसिएशन के होली मिलन कार्यक्रम में पहुंचें समाजवादी पार्टी और भाजपा के नेताओं ने होली के रंग में एक दूसरे को रंग डाला। चुनावी माहौल में दोनों पार्टियों ने अपने अपने रंग से होली खेली। गुलाबी, हरा, लाल, नीला, पीला रंग उपयोग कर एसोसिएशन के पदाधिकारियों और आते जाते लोगों को भी रंग लगाया। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के सरकारी आवास पर होली मिलन कार्यक्रम में लखनऊ सहित आसपास के जनपदों से भी सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं का पहुंचना हुआ। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को जम के होली की बधाई दी। इसके अलावा व्यापारी वर्ग, उद्यमी वर्ग, बड़ी संख्या में अधिवक्तागण, नौजवान, युवा, मातृशक्ति, पुलिस व प्रशासन अधिकारियों को उपमुख्यमंत्री ने होली की शुभकामनाएं दी। होली मिलन कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री की पत्नी नम्रता पाठक भी उत्साहपूर्वक होली कार्यक्रम में सम्मिलित हुई। भाजपा के युवा नेता नीरज सिंह ने अपने आवास पर होली मिलन का कार्यक्रम किया। होली के एक दिन पहले ही रंगों के रस में लखनऊ के लोगों का तन मन भीग गया, नीरज सिंह ने अपने हाथों से सभी को रंग लगाया। बड़े बुजुर्ग लोगों से आशीर्वाद लिया तो सहयोगियों को हाथ जोड़कर बधाईयां दी। लखनऊ में लोकसभा चुनाव के दौरान रंगों में डूबकर, अबीर को लगाकर, गुलाल से खेलकर मनाई जाने वाली होली के आगामी कार्यक्रम भी कई तय है। जिसमें होली के दिन कैसरबाग चौराहा, अमीनाबाद चौराहा, चौक पर शहर के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में होली मिलन कार्यक्रम होगा। इसके अलावा जायसवाल महासभा, अग्रवाल महासभा, ब्राह्मण परिषद, बुद्धेश्वर व्यापार मंडल, लखनऊ व्यापार सभा, ईंट निर्माता समिति सहित कई संगठन व संस्था का होली मिलन कार्यक्रम होली के बाद होना तय है। जिसमें चुनावी रंग देखने को मिलता रहेगा।

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों से आकर्षित हुई दुनिया, डब्ल्यूईएफ के दिग्गजों ने भी माना लोहा

नई दिल्ली ।

भारत ने अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों से पूरी दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। अब दुनियाभर की प्रतिभाएं चाहती हैं कि वे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में सहयोग करें। इस उत्साह को देखते हुए सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन (सीफोरआईआर) ने भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कार्यक्रम लॉन्च किया है। यह कार्यक्रम भारत और बाकी देशों के हीच वैश्विक सहयोग बनाने के लिए शुरू किया गया है। यह बातें विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताई हैं।

दुनिया की नजरें भारत पर – सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन की कार्यकारी समिति के सदस्य सेबेस्टियन बकअप का कहना है कि भारत को छोटे और महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष देशों के लिए एक रोल मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। ये सभी देश अब भारत से सहयोग चाहते हैं। डब्ल्यूईएफ चाहता है कि भारत और उभरते अंतरिक्ष देशों के बीच अंतरिक्ष क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई उद्यमी चाहते हैं कि वे भी भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निवेश करें। इसकी वजह यह है कि भारत साझा बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहा है और अगर भारत यह काम करने में कामयाब रहा तो अंतरिक्ष क्षेत्र में नए आयाम गढ़ सकता है।

दिग्गज देशों की श्रेणी में आ गया है भारत – बकअप ने अपनी भारत यात्रा के दौरान अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े कई लोगों के साथ मुलाकात की। इनमें इसरो के अधिकारी, अंतरिक्ष स्टार्ट-अप के प्रतिनिधि और बड़े दिग्गज शामिल थे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि दुनियाभर के लोग अभी भी भारत को एक उभरता हुआ अंतरिक्ष राष्ट्र बता रहे हैं। वास्तविकता यह है कि भारत अंतरिक्ष क्षेत्र के दिग्गज देशों की श्रेणी में आ गया है। दुनिया को यह समझना अब जरूरी हो गया है कि वास्तव में भारत ने क्या हासिल किया है।

भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र ने पकड़ी रफ्तार – सेबेस्टियन बकअप ने आगे कहा कि हम भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में भी बहुत अधिक गति देख रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

क्या पेटीएम में बड़े पैमाने पर होने वाली है छंटनी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ने जब से पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ एक्शन लिया है, तभी से पेटीएम के भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच पेटीएम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (बिजनेस) प्रवीण शर्मा ने भी इस्तीफा दे दिया है। इससे पेटीएम से जुड़े सवाल और भी उलझ गए हैं। यहां तक कि पेटीएम के कर्मचारियों को भी अपना भविष्य अनिश्चित नजर आ रहा है। पिछले कई दिनों से ऐसी रिपोर्ट्स भी आ रही हैं कि पेटीएम अपना पेमेंट्स बैंक बंद होने के बाद बड़े पैमाने पर छंटनी करने वाली है। हालांकि, पेटीएम ने लेऑफ से जुड़ी खबरों को निराधार बताते खारिज किया है। छंटनी पर क्या कहा पेटीएम ने पेटीएम ने अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि छंटनी की रिपोर्ट्स बेबुनियाद हैं और उनसे कंपनी की रणनीतिक योजना की सही झलक नहीं मिलती। पेटीएम ने दावा किया कि वह फिलहाल एनुअल अप्रैजल के प्रोसेस में लगा है, जिसका मकसद एंप्लॉयी के परफॉरमेंस को जांचना और उसके आधार पर उन्हें इंक्रीमेंट देना है। यह कहीं से भी छंटनी का संकेत नहीं है। रिस्ट्रक्चरिंग को छंटनी समझा गया पेटीएम ने कहा कि वह परफॉरमेंस के आधार पर एडजस्टमेंट और रिस्ट्रक्चरिंग कर रही है, जिसे गलत तरीके से छंटनी का संकेत समझ लिया गया है। उसने यह भी कहा कि कंपनी अपनी वर्कफोर्स के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। उसका पूरा ध्यान देश में डिजिटल पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज की अगुआई करने पर है। वह इनोवेशन, कस्टमर सर्विस और टीम डेवलपमेंट के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वहीं, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (बिजनेस) प्रवीण शर्मा के इस्तीफे पर पेटीएम ने बताया कि वह गूगल में नई संभावनाओं की तलाश में गए हैं। प्रवीण शर्मा पहले भी 9 साल तक गूगल में लीडरशिप पोजिशन पर काम कर चुके हैं। पेटीएम के शेयरों हाल पिछले दिनों एनसीपीआई ने एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और यस बैंक को पेटीएम के लिए पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर के तौर पर काम करने की मंजूरी दे दी। इससे पेटीएम और उसके कस्टमर को बड़ी राहत मिली। इसका असर कंपनी के शेयरों पर भी दिखा और उसमें अपर सर्किट भी लगे। पेटीएम का मालिकाना हक रखने वाली वन 97 का शेयर 1.79 प्रतिशत यानी 7.35 रुपये गिरकर 403.50 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि, पिछले पांच दिनों में इसमें 3.67 प्रतिशत यानी 14.30 रुपये की तेजी आई है। 21 मार्च को तो पेटीएम का शेयर 428 रुपये तक पहुंच गया था, लेकिन फिर मुनाफावसूली के चलते इसमें गिरावट आई।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की निगाहें भारत पर टिकीं, इस बात पर हो रहा गंभीरता से विचार

इस्लामाबाद । एक तरफ आतंकवाद से लड़ाई और दूसरी तरफ गंभीर नकदी संकट से जूझ रहे

पाकिस्तान की हालत कुछ ठीक नहीं है। ऐसे में पड़ोसी देश ने भारत के साथ व्यापार संबंधों को बढ़ाने की बात कही है। विदेश मंत्री इशाक डार के बयान से संकेत मिल रहा है कि पाकिस्तान अब भारत के प्रति राजनयिक रुख में बदलाव चाहता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने क्या कहा पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अगस्त 2019 से व्यापार संबंध रुके हुए हैं। डार ने कहा कि इन संबंधों को बहाल करने पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। डार ने ब्रुसेल्स में परमाणु ऊर्जा शिखर सम्मेलन में भाग लिया और इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये बातें बताई। उन्होंने भारत के साथ व्यापार गतिविधियों को शुरू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कारोबारी भारत के साथ फिर से व्यापार शुरू करना चाहते हैं। डार के अनुसार पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार संबंध बहाल करने पर गंभीरता से विचार करेगा। राजनयिक रुख में बदलाव का संकेत जिस तरह से इशाक डार ने भारत के साथ व्यापार संबंधों को बहाल करने पर टिप्पणी की, उससे साफ है कि पाकिस्तान भारत के प्रति राजनयिक रुख में बदलाव का संकेत दे रहा है।

ग्रीन ड्रेस विवाद पर बोले दीपिंदर, हम 20 घंटे तक कॉल पर थे

नई दिल्ली । फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमाटो ने हाल ही में शाकाहारी लोगों के लिए ग्रीन ड्रेस लॉन्च की थी। जिससे सोशल मीडिया में इतना बवाल मचा कि मात्र 24 घंटे में ही जोमाटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने इस फैसले को वापस ले लिया था। अब उन्होंने इस विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि प्योर वेज फूड डिलीवरी सर्विस पर हुए विवाद के बाद हम लगातार 20 घंटे तक जूम कॉल पर थे। हम इस संकट का जल्द से जल्द समाधान करना चाहते थे। एक रिपोर्ट के अनुसार दीपिंदर गोयल ने कहा कि शाकाहारी लोगों के लिए ग्रीन ड्रेस सर्विस लाने का फैसला व्यापक सर्वे करने के बाद किया गया था। लेकिन सोशल मीडिया के जरिए जो मसले उठाए गए, उनमें से ज्यादातर के बारे में हम ज्यादा जानते ही नहीं थे। हम धर्म, जाति और किसी भी तरह के भेदभाव पर यकीन नहीं रखते।

वैश्विक रुझानों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी बाजार की चाल

निवेशकों की नजरें कच्चे तेल के भाव और रुपये के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा आने वाले कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में वैश्विक रुझानों तथा विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि मासिक डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से भी बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। इस सप्ताह बाजार में सिर्फ तीन कारोबारी सत्र होंगे। शेयर बाजार होली के मौके पर और गुड फ्राइडे के अवसर पर बंद रहेंगे।

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि छुट्टियों की वजह से इस सप्ताह में कारोबार की मात्रा कम रहेगी। हालांकि, वित्त वर्ष का अंतिम सप्ताह होने तथा वायदा एवं विकल्प खंड में निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। वहीं एक अन्य बाजार के जानकार ने कहा कि इस सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का है। डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है।

अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े और अन्य प्रमुख आर्थिक आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजरें वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के भाव और डॉलर के मुकाबले रुपये के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 48 पैसे गिरकर 83.61 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इससे पहले 13 दिसंबर, 2023 को रुपया 83.40 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि मुद्रा के स्तर में तेज गिरावट के साथ विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयरों की बिकवाली यह संकेत दे रही है कि शेयर बाजारों के लिए आगे की राह कठिन हो सकती है। यह सप्ताह छुट्टियों वाला है और हमारा मानना है कि मार्च महीने के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। इसके अलावा बाजार भागीदार वैश्विक बाजारों के रुख, खासकर अमेरिकी बाजार से भी प्रभावित होंगे।

पहले दो महीने में, चीन में विदेशी पूंजी निवेश की वास्तविक मात्रा 215 अरब युआन से अधिक

बीजिंग। चीनी वाणिज्य मंत्रालय द्वारा 22 मार्च को जारी आंकड़ों से पता चला कि इस साल के पहले दो महीने में देश भर में 7,160 विदेशी निवेश वाले नए उद्यम स्थापित हुए जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 34.9 प्रतिशत ज्यादा हैं, जबकि विदेशी पूंजी की वास्तविक मात्रा 215 अरब नौ करोड़ युआन तक जा पहुंची, जो गत वर्ष की तुलना में 19.9 प्रतिशत कम है।वाणिज्य मंत्रालय के विदेशी निवेश विभाग के प्रभारी के मुताबिक, पिछले साल जनवरी से फरवरी तक, चीन में विदेशी पूंजी की वास्तविक मात्रा 268 अरब 44 करोड़ युआन तक पहुंच गई, जो एक नया कीर्तिमान है। हालांकि इस साल इसमें गिरावट आई है, लेकिन यह अभी भी पिछले 10 वर्षों में तीसरा उच्चतम स्तर है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अभी भी चीनी बाज़ार में विकास के अवसरों के बारे में आशावादी हैं और अपना चीन में निवेश बढ़ा रही हैं। इस प्रभारी के अनुसार, चीन की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि के बुनियादी सिद्धांत नहीं बदले हैं। निवेश को आकर्षित करने में चीनी बाजार का बड़ा आकार, पूर्ण आपूर्ति श्रृंखला सहायक सुविधाएं, पूर्ण बुनियादी ढांचा और प्रचुर मानव संसाधन आदि लाभ उत्कृष्ट बने हुए हैं। इसके अलावा, अर्थव्यवस्था को स्थिर करने, खुलेपन को बढ़ावा देने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए नीतियों की एक श्रृंखला का प्रभाव दिखाई देना जारी है, जो विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियां बनाये हुए हैं।

बुलेट ट्रेन दो राज्यों की अर्थव्यवस्था को एक करने में मदद करेगी : रेल मंत्री

मुंबई से अहमदाबाद का पहला कॉरिडोर आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण कई शहरों को जोड़ देगा

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन पिछले 10 साल से लगातार चर्चाओं में है। भारत की जनता भी लंबे समय से देश की पहली बुलेट ट्रेन का इंतजार कर रही है। अब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलने वाली यह सुपरफास्ट ट्रेन दो राज्यों की अर्थवव्यस्थाओं को एक करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक कार्यक्रम में बताया कि भारत का बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट प्रगति कर रहा है। मुंबई से अहमदाबाद का पहला कॉरिडोर आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण कई शहरों को आपस में बांध देगा। यह कॉरिडोर कई अर्थव्यवस्था को एकजुट करेगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक रेलवे का प्रोजेक्ट नहीं है। हमें इसे अर्थव्यवस्था के नजरिए से देखना होगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे इस पहले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में मुंबई, ठाणे, वापी, बड़ौदा, सूरत, आनंद और अहमदाबाद को आपस में जोड़ने वाली है। इन सभी शहरों की अर्थव्यवस्था एक हो जाएंगी। बुलेट ट्रेन आने के बाद आप सूरत में नाश्ता कर सकते हैं। फिर मुंबई जाकर अपने काम निपटा सकते हैं और रात में अपने परिवार के पास वापस आ सकते हैं। बुलेट ट्रेन के किराए पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि फिलहाल जहां भी बुलेट ट्रेन चल रही हैं, उनमें से ज्यादातर देशों में उन्होंने ट्रांसपोर्ट में 90 फीसदी तक हिस्सेदारी हासिल कर ली है। नवंबर, 2021 में काम शुरू होने के बाद से मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर लगातार प्रगति कर रहा है। वियाडक्ट का पहला किलोमीटर छह महीने में और 50वां अप्रैल, 2023 तक बनकर तैयार हो गया।

एलन मस्क ने सोचा था ओपनएआई फेल हो जाएगी : सैम ऑल्टमैन

सैन फ्रांसिस्को।

ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन का कहना है कि टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने सोचा था कि चैटजीपीटी-मेकर कंपनी फेल हो जाएगी। इसलिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया।पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ सैम ऑल्टमैन ने कहा, एलन मस्क ने सोचा कि ओपनएआई असफल (फेल) होने वाली है। वह इसे बदलने के लिए पूर्ण नियंत्रण चाहते थे। हम उस दिशा में आगे बढ़ते रहना चाहते थे जो अब ओपनएआई बन गई है। वह यह भी चाहते थे कि टेस्ला एक एजीआई प्रयास बनाने में सक्षम हो। सैम ऑल्टमैन ने आगे बताया, कई बार वह ओपनएआई को एक लाभकारी कंपनी बनाना चाहते थे, जिसका कंट्रोल उनके पास हो या इसका टेस्ला के साथ विलय हो सके। हम ऐसा नहीं करना चाहते थे और उन्होंने जाने का फैसला किया, जो ठीक है। सैम ऑल्टमैन ने सुझाव दिया कि कंपनी अभी भी अपने मूल उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी लोगों को मुफ्त में शक्तिशाली तकनीक दे रही है।

उन्होंने आगे बताया, हम अपने फ्री वर्जन पर विज्ञापन नहीं चलाते। हम इसे अन्य तरीकों से मुद्रीकृत नहीं करते हैं। हम बस इतना कहते हैं कि यह हमारे मिशन का हिस्सा है। हम लोगों के हाथों में अधिक से अधिक शक्तिशाली उपकरण मुफ्त में देना चाहते हैं और उन्हें उनका उपयोग कराना चाहते हैं।

हाल ही में, एलन मस्क ने ओपनएआई और ऑल्टमैन पर मुकदमा दायर किया था। एलन मस्क ने आरोप लगाया था कि उन्होंने एआई के आसपास अपने मूल संविदात्मक समझौतों का उल्लंघन किया है।

इसके बाद ओपनएआई ने मस्क के मुकदमे पर पलटवार करते हुए कहा था, जब कंपनी ने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए लाभकारी संरचना पर चर्चा की, तो एलन मस्क चाहते थे कि हम टेस्ला के साथ विलय करें या वह पूरा कंट्रोल चाहते थे।

हीरो मोटोकार्प की वीडा वी1इलेक्ट्रिक स्कूटर लांच शानदार हैं फीचर्स और रेंज, कीमत भी है कम

नई दिल्ली ।

हीरो मोटोकार्प की वीडा वी1इलेक्ट्रिक स्कूटर को प्रीमियम फीचर्स और शानदार डिजाइन के साथ बाजार में उतारा है। वीडा वी1इलेक्ट्रिक स्कूटर की दिल्ली एक्स-शोरूम कीमत 1,26,200 लाख रुपये है। बता दें कि यह कीमत फेम-2 सब्सिडी मिलने के बाद की है। फुल चार्ज पर वीडा वी1इलेक्ट्रिक स्कूटर में 165 किलोमीटर की रेंज मिलती है। वहीं, इसकी टॉप स्पीड 80 किलोमीटर प्रति घंटा तक है। यह स्कूटर केवल 3.2 सेकंड में 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ लेता है। इसमें चार राइडिंग मोड ईको, राइड, स्पोर्ट्स और कम्फर्ट मिलते हैं। कंपनी इस ई-स्कूटर को दो रिमूवेबल बैटरी पैक के साथ ऑफर करती है। इस वजह से स्कूटर को एक बैटरी से भी चलाया जा सकता है। फास्ट चार्जर के उपयोग से स्कूटर की बैटरी 60 मिनट से भी कम समय में 0 से 80 फीसदी तक चार्ज हो जाती है। वीडा वी1 के साथ कंपनी पोर्टेबल चार्जर ऑफर करती है, जिसे बूटस्पेस में रखा जा सकता है। इसे किसी भी 5 एम्पीयर सॉकेट में लगाकर स्कूटर को चार्ज किया जा सकता है। इस चार्जर से स्कूटर को पूरी तरह चार्ज करने में 6 घंटे का समय लगता है। स्कूटर में सीट के लिए कई तरह कस्टमाइजेशन ऑप्शन भी मिलते हैं। वीडा वी1 इलेक्ट्रिक स्कूटर कई नए और मॉडर्न फीचर्स के साथ आती है। अगर फीचर्स की बात करें तो इसमें 7-इंच का टीएफटी कलर डिस्प्ले, 4जी

और वाईफाई कनेक्टिविटी, इलेक्ट्रॉनिक सीट, हैंडल लॉक, क्रूज कंट्रोल, रिवर्स और री-जनरेशन मोड जैसे फीचर्स मिलते हैं। वहीं इसके सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें एंटी-थेफ्ट अलार्म, ट्रैक माय बाइक, प्रोक्सिमिटी सेंसर, जियोफेंसिंग, रिमोट इमोबलाइजेशन, व्हीकल डायग्नोस्टिक और एसओएस बटन जैसे फीचर्स मिलते हैं। बता दें कि वैसे तो मार्केट में कई कंपनियों के इलेक्ट्रिक स्कूटर उपलब्ध हैं, लेकिन एक कंपनी ऐसी है जिसपर लोगों का भरोसा कई सालों से है और ये कंपनी मोटरसाइकिल और स्कूटरों की बिक्री में आजतक अपना लोहा मनवा रही है।

एनपीएस कर्मियों को एक अप्रैल से इस तरह करना होगा लॉग-इन, इसलिए लागू हुआ दू फैक्टर वेरिफिकेशन

नई दिल्ली ।

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने अपने एनपीएस खाता धारकों की सुरक्षा के मद्देनजर पहली अप्रैल से आधार वेरीफिकेशन कराना अनिवार्य कर दिया है। द्विस्तरीय दृष्टिकोण के माध्यम से सीआरए प्रणाली के अनधिकृत उपयोग के जोखिम को कम किया जा सकता है। पीएफआरडीए ने इसके लिए सीआरए प्रणाली को टू फैक्टर प्रमाणीकरण प्लेटफार्म तैयार किया है। इसे सुलभ बनाने के मकसद से आधार बेस्ड लॉग-इन प्रमाणीकरण को वर्तमान उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड-आधारित लॉग-इन प्रक्रिया के साथ एकीकृत करेंगे। आधार बेस्ड लॉग इन वेरिफिकेशन को एनपीएस अभिदाता, अपने यूजर आईडी से जोड़ेंगे। इसके बाद आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। इसे दर्ज करने के बाद ही एनपीएस खाते को लॉग-इन किया जा सकेगा। पीएफआरडीए द्वारा पिछले दिनों जारी सर्कुलर में कहा गया है कि एनपीएस के नए लॉग-इन मानदंडों के अनुसार, सीआरए प्रणाली को दो-कारक प्रमाणीकरण के जरिए अधिक सुरक्षित बनाया गया है। पहली अप्रैल, 2024 से एनपीएस की सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी (सीआरए) प्रणाली में लॉग इन करने वाले सभी पासवर्ड-आधारित उपयोगकर्ताओं के लिए नई सुरक्षा प्रणाली अनिवार्य कर दी गई है। सीआरए प्रणाली तक पहुंचने में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने और ग्राहकों एवं हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए, सीआरए प्रणाली में लॉग-इन के लिए आधार-आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाएं लाने का निर्णय लिया गया है। नई सुरक्षा प्रणाली के तहत, एनपीएस ग्राहक आधार-आधारित प्रमाणीकरण और अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी दर्ज करने के बाद ही अपने खातों तक पहुंच सकते हैं। पीएफआरडीए परिपत्र के अनुसार, पीआरएओ/डीटीए/पीएओ/डीटीओ/डीडीओ सहित सरकारी और कॉर्पोरेट नोडल कार्यालयों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से संबंधित कार्यों के संचालन, गतिविधियों के निष्पादन और विभिन्न रिपोर्ट को तैयार करने के लिए केंद्रीय अभिलेखपालन अभिकरण (सीआरए) प्रणाली का उपयोग करने की अनुमति दी गई है। सीआरए सिस्टम में लॉग इन करने वाले सभी पासवर्ड आधारित उपयोगकर्ताओं के लिए एक अतिरिक्त सुरक्षा स्तर, द्विस्तरीय आधार आधारित प्रमाणीकरण, को अनिवार्य रूप से लागू किया जा रहा है।

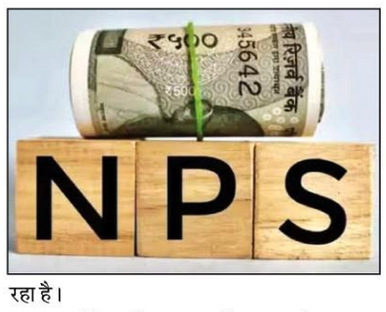

2एफए द्विस्तरीय प्रमाणीकरण के लाभ

सुरक्षा में बढ़ोतरी: द्विस्तरीय दृष्टिकोण के माध्यम से सीआरए प्रणाली के अनधिकृत उपयोग के जोखिम को कम किया जा सकता है।

संवर्धित सुरक्षा: इस अतिरिक्त स्तर से एनपीएस लेनदेन सुरक्षित होता है। अभिदाताओं और हितधारकों के हितों की रक्षा होती है।

अतिरिक्त सुरक्षा सुविधा: वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों के तहत नोडल कार्यालय, उनके अंतर्निहित स्वायत्त निकायों सहित, एनपीएस लेनदेन के लिए सीआरए का उपयोग करने की खातिर पासवर्ड आधारित लॉग-इन प्रयोग करते हैं। सुरक्षा विशेषताओं को बढ़ाने और अभिदाताओं और हितधारकों के हितों की रक्षा करने के मद्देनजर सीआरए प्रणाली लॉग-इन के लिए आधार आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाओं को शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह आधार आधारित लॉग-इन प्रमाणीकरण वर्तमान यूजर आईडी और पासवर्ड आधारित लॉग-इन प्रक्रिया के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसके माध्यम से सीआरए प्रणाली का उपयोग करने के लिए द्विस्तरीय प्रमाणीकरण को सक्षम करेगा।

आधार मैपिंग: सरकारी क्षेत्र (केंद्रीय/राज्य/सीएबी/एसएबी) के अंतर्गत नोडल कार्यालयों की यूजर आईडी को आधार ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के माध्यम से द्विस्तरीय प्रमाणीकरण का उपयोग करते हुए सीआरए सिस्टम (सीआरए और एनपीएससीएन) में लॉग-इन करने की अनुमति दी जाएगी। निरीक्षण कार्यालय (पीआरएओ/डीटीए) को प्रारंभ में अपने आधार को संबंधित सीआरए यूजर आईडी से जोड़ना होगा, जिससे अंतर्निहित उपयोगकर्ता आधार मैपिंग का उपयोग कर सकें। इसी प्रकार पीएओ/डीटीओ भी अपने आधार को संबंधित सीआरए यूजर आईडी से जोड़ेंगे, जिससे अंतर्निहित डीडीओ को आधार लिंकिंग शुरू करने की अनुमति मिल सके।

एनपीएस गतिविधियों का प्रदर्शन: सरकारी क्षेत्र के तहत सभी कार्यालयों और स्वायत्त निकायों को एनपीएस से संबंधित सभी गतिविधियों को पूरा करने के लिए सीआरए प्रणाली में आधार आधारित लॉग-इन और प्रमाणीकरण की अतिरिक्त सुविधा के लिए आवश्यक ढांचे को स्थापित करना आवश्यक है।

मानक संचालन प्रक्रिया: संलग्न दस्तावेज प्रोटियन सीआरए से जुड़े नोडल कार्यालयों के लिए उनके आधार को जोड़ने और सीआरए प्रणाली का उपयोग कर कार्यात्मक गतिविधियों के साथ आगे बढ़ने की प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करता है। इसमें कई प्वाइंट शामिल हैं। जैसे, नोडल कार्यालय उपयोगकर्ता आईडी के लिए आधार संख्या का एक बारगी पंजीकरण, नोडल कार्यालय उपयोगकर्ता आईडी के लिए आधार मैपिंग का प्रमाणीकरण, आधार मैपिंग की अवस्थिति और सीआरए प्रणाली तक नियमित (आधार आधारित) उपयोग की प्रक्रिया। स्वायत्त निकायों सहित सरकारी और कॉपोरेट नोडल कार्यालयों से अनुरोध किया गया है ।

अल्काराज़, सिनर, मेदवेदेव शुरूआती मैच जीते, सितसिपास हारे

फ्लोरिडा।
कार्लोस अल्काराज़ ने साथी स्पेनिश रॉबर्टो कारबालेस बेना के 31वें जन्मदिन का जश्न 6-2, 6-1 से मुकाबला जीतकर खराब कर दिया। अल्काराज़ सात मैचों की जीत की लय में है, और उसे पिछले 11 मैचों में किसी स्पैनियार्ड ने नहीं हराया है - ऐसा करने वाला आखिरी खिलाड़ी 2022 इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में राफेल नडाल थे। 20 वर्षीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला अनुभवी फ्रांसीसी खिलाड़ी गाएल मोंफिल्स से होगा, जिन्होंने फॉर्म में चल रहे ऑस्ट्रेलियाई जॉर्डन थॉम्पसन को 6-7 (3-7), 6-1, 6-2 से हराया।

स्पैनियार्ड मियामी में आश्वस्त है, जहां उसने अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता था। अल्काराज़ अब टूर्नामेंट में 11-2 से आगे है। इससे पहले, दुनिया के तीसरे नंबर के इटालियन जानिक सिनर को मियामी ओपन में शुरुआती जीत हासिल करने के मौके के लिए रात भर इंतजार करना पड़ा था। दूसरे वरीय ने सुनिश्चित किया कि हार्ड रॉक स्टेडियम में इंतजार करना सार्थक रहा, जहां उन्होंने अपने ही देश के एंड्रिया वावसोरी को 6-3, 6-4 से हराया। इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में अल्काराज़ द्वारा 2024 सीज़न में अपनी 16-जीत की शुरुआत को तोड़ने के बाद मियामी पहुंचने पर, सिनर ने तीसरे दौर में पहुंचने के लिए अपने देश के खिलाड़ी के खिलाफ 80 मिनट में जीत पूरी की। मैच वावसोरी के 2-3, 40/40 पर सर्विस करने के समय निलंबित कर दिया गया था और सिनर ने 4-2 की बढ़त के साथ फिर से शुरू होने पर तुरंत अपनी चाल चली।

इटालियन के अगले प्रतिद्वंद्वी नीदरलैंड के टैलोन ग्रिक्सपुर हैं,जिसे उन्होंने पिछले तीनों मुकाबलों में हराया है। इस बीच, दानिल मेदवेदेव ने ग्रैंडस्टैंड पर हंगरी के मार्टन फुकसोविक्स को 1 घंटे और 19 मिनट में 6-4, 6-2 से हराकर अपने खिताब की रक्षा में मजबूत शुरुआत की। यह मैच स्टेडियम कोर्ट पर फीचर नाइट मैच के रूप में निर्धारित किया गया था लेकिन बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। लेकिन दोपहर की स्थिति और ग्रैंडस्टैंड कोर्ट में स्विच करने से वर्ल्ड नंबर 4 के लिए कोई बाधा नहीं आई, उसने अपने पहले सर्व पॉइंट में से 81 फीसदी अंक जीते थे। मेदवेदेव अपने करियर में पहली बार किसी खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने का प्रयास कर रहे हैं। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 20 अलग-अलग खिताब जीते हैं, जिनमें 18 हार्ड कोर्ट पर शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला 30वें नंबर के कैमरून नोरी से होगा, जिन्होंने 21 वर्षीय इतालवी फ्लेवियो कोबोली को 7-5, 6-7(4), 6-2 से हराया। नंबर 10 सीड ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने 2-6, 4-6 से हरा दिया। यह पहली बार है कि ग्रीक ने चौथे दौर से पहले मियामी छोड़ दिया है - उनकी सर्वश्रेष्ठ उपस्थिति 2021 में थी जब वह क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। आगे बढ़ने वाले अन्य पुरुष वरीय नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव थे, जिन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-2, 6-4 से हराया; पोलिश ह्यूबर्ट हर्काज़, नंबर 8 वरीयता प्राप्त और 2021 मियामी ओपन चैंपियन, जिन्होंने कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर शेवचेंको को 6-4, 6-7(2), 6-3 से हराया; और नॉर्वेजियन कैस्पर रूड, नंबर 7 सीड, ने फ्रांस के लुका वैन एश को 7-6(5), 1-6, 6-1 से हराया।

न्यूज ब्रीफ

विशु की गुरुकुल में साधना, दिन-रात कर रही कड़ी मेहनत; ओलंपिक बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक जीतना है लक्ष्य

ग्रेटर नोएडा। सहारनपुर के महर्षि दयानंद गुरुकुल में 13 वर्षीय किशोर बॉक्सिंग की साधना में लीन है। उसका लक्ष्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का है। वह गुरुकुल में दिन रात कड़ी मेहनत कर अब तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दो बार स्वर्ण पदक जीत चुका है। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक कांप्लेक्स में चल रहे सब जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में विशु पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। विशु पाल ने शानदार सफर से यह साबित कर दिया है कि मंजिल भले अभी दूर हो लेकिन रास्ता उसके लिए नहीं है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पिता ने विशु पाल को अपने से दूर गुरुकुल में भेज दिया। पिता चलाते हैं कैंटीन विशु पाल ने बताया कि उसके पिता कैंटीन चलाते हैं। कैंटीन के सहारे ही सात लोगों का परिवार चल रहा है। गुरुकुल में रह कर पढ़ाई करना आसान नहीं है। यहां साधना अधिक करनी पड़ती है। सर्दी,गर्मी,और वर्षा हर मौसम में सुबह चार बजे से उठा दिया जाता है। उसके पर नित क्रिया करके अभ्यास के लिए निकल जाता हूं। दो घंटे सुबह और दो घंटे शाम को बॉक्सिंग का अभ्यास करता हूं। विशु ने बताया कि उसका सपना ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का है। दो साल की मेहनत से यहां तक का सफर तय कराया है। गुरुकुल के नियम और कानून में रहकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जगह पक्की हुई है। विशु ने बताया कि उन्हें विश्वास है कि वह देश व उत्तर प्रदेश के लिए ओलंपिक 2028 में स्वर्ण पदक जरूर जीतेंगे। बॉक्सिंग खेलने से पहले कई लोगों में कहा कि इस खेल का कोई भविष्य नहीं है,लेकिन इस खेल को ही भविष्य बनाने की ठान ली। सब जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सेमीफाइनल में जगह पक्की होने पर उन्हें भरोसा है कि वह इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतेंगे। दो बार जीता राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक 2021 में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हार के बाद विशु ने हार नहीं मानी। विशु ने 2022 और 2023 में स्वर्ण पदक जीता। दो साल की मेहनत ने विशु को दो बार स्वर्ण पदक का सफर तय कराया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विशु करीब 50 से अधिक पदक जीत चुके है। फेडरेशन के महासचिव ने लिया गोद यूपी बॉक्सिंग फेडरेशन के महासचिव प्रमोद कुमार ने विशु पाल को गोद ले लिया है। उन्होंने बताया कि विशु पाल में वह क्षमता है जो भारत को ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिला सकती है। विशु को हर प्रकार की मदद फेडरेशन की ओर से देने का फैसला लिया गया है।

स्वीयाटेक, रिबाकिना जीतीं ; सबालेंका, जाबौर दूसरे दौर में बाहर

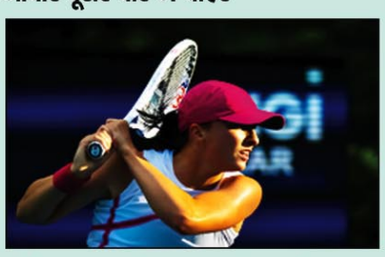

फ्लोरिडा। अपने करियर के 100वें डब्ल्यूटीए 1000 मैच में वर्ल्ड नंबर-1 पोलैंड की इगा स्वीयाटेक ने मियामी ओपन के दूसरे दौर में इटली की कैमिला जियोर्गी को 6-1, 6-1 से हरा दिया। जीत के साथ, पोलिश खिलाड़ी अपने पहले 100 डब्ल्यूटीए-1000 मैचों में 81-19 आंकड़े तक पहुंच गई, और मारिया शारापोवा से बराबरी पर रही और केवल सेरेना विलियम्स (87-13) से पीछे हैं। स्वीयाटेक, जिन्हें पहले दौर में बाई मिली थी, उन्होंने 2021 सिनसिनाटी के बाद से किसी भी टूर्नामेंट में अपना पहला मैच नहीं हारा है। अब उनका मुकाबला लिंडा नोस्कोवा से होगा, जिनके साथ खेले गए पिछले तीन मैचों में उनका कुल स्कोर 2-1 है। 2024 सीज़न में यह उनकी तीसरी भिड़ंत होगी। 19 वर्षीय चेक ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में तीन-सेटर में जीत हासिल की, लेकिन इगा ने इंडियन वेल्स में जीत हासिल की। डब्ल्यूटीए के अनुसार, अगर स्वीयाटेक इस सप्ताह खिताब तक पहुंच जाती है, तो वह दो बार सनशाइन डबल (एक ही वर्ष में इंडियन वेल्स और मियामी जीतना) हासिल करने वाली दूसरी महिला बन जाएंगी। स्टेफी ग्राफ वर्तमान में 1994 और 1996 में दो बार उपलब्धि हासिल करने वाली एकमात्र महिला हैं। स्वीयाटेक को 2022 में अपना पहला सनशाइन डबल मिला। इस बीच, नंबर 4 वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना ने अमेरिकी क्वालीफायर टेलर टाउनसेंड को 6-3, 6-7(3-7), 6-4 से हराकर राउंड 16 में प्रवेश किया। पिछले साल यहां फाइनलिस्ट रिबाकिना का अगला मुकाबला नंबर 17 वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ से होगा।

मुंबई के रणजी प्लेयर्स की सैलरी होगी डबल

एक फर्स्ट क्लास मैच के लिए मिलेंगे 4.80 लाख ; बाकी बोर्ड देते हैं 2.40 लाख

मुम्बई।
मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने अपने रणजी ट्रॉफी प्लेयर्स की फीस बढ़ाने का फैसला किया है। प्लेयर्स की सैलरी अगले सीजन से दोगुनी बढ़ जाएगी। अनुभवी खिलाड़ियों को 2024-25 के सीजन से एक फर्स्ट क्लास मैच के लिए 4.80 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं बाकी बोर्ड के प्लेयर्स को एक मैच के 2.40 लाख रुपए मिलते हैं।

एमसीए के इस फैसले के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बाकी स्टेट बोर्ड के प्लेयर्स की फीस भी बढ़ा सकता है।

रणजी प्लेयर्स को 3 स्लैब में सैलरी देता है बीसीसीआई

रणजी प्लेयर्स को बीसीसीआई की तरफ से फीस दी जाती है। बीसीसीआई ने इसके लिए 3 स्लैब निर्धारित किए हैं।

40 से ज्यादा फर्स्ट क्लास मैच खेलने वाले प्लेयर्स को एक दिन के 60 हजार रुपए मिलते हैं, यानी एक 4-दिवसीय मैच के लिए 2.40 लाख रुपए।

21 से 40 फर्स्ट क्लास मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को एक दिन के 50 हजार रुपए मिलते हैं, यानी एक 4-दिवसीय मैच के लिए 2 लाख रुपए।

20 से कम फर्स्ट क्लास मैच खेलने वाले प्लेयर्स को एक दिन के 40 हजार रुपए मिलते हैं, यानी एक 4-दिवसीय मैच के 1.60 लाख रुपए।

मुंबई ने रणजी विजेता टीम को दिए 5 करोड़ रुपए

मुंबई ने इस बार रणजी ट्रॉफी पर 8 साल बाद कब्जा किया। अंजिक्य रहाणे की कप्तानी में टीम ने विदर्भ को हराया और 42वीं बार रणजी ट्रॉफी जीती। इस जीत पर टीम को 5 करोड़ रुपए की विनिंग प्राइज मिली। वहीं मुंबई को एमसीए ने भी 5 करोड़ रुपए का इनाम दिया, यानी टीम को खिताब जीतने पर कुल 10 करोड़ रुपए मिले।

एमसीए प्रेसिडेंट अमोल काले ने कहा, हमें लगता है कि घरेलू खिलाड़ियों की कमाई ज्यादा होनी चाहिए। खासतौर पर रणजी ट्रॉफी खेलने वाले प्लेयर्स की। हमारे लिए रेड बॉल क्रिकेट बहुत जरूरी है और मुंबई के हर प्लेयर के दिल में रणजी ट्रॉफी की वैल्यू बहुत ज्यादा है। इसलिए उनकी फीस बढ़ाई गई।

बीसीसीआई ने नए कॉन्ट्रैक्ट में टेस्ट प्लेयर्स को फायदा पहुंचाया

बीसीसीआई ने भी रेड बॉल क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए टेस्ट क्रिकेट में इंसेंटिव स्कीम शुरू की। इसके तहत साल के 75 प्रतिशत से ज्यादा टेस्ट खेलने वाले प्लेयर्स की मैच फीस 300 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। फिलहाल एक टेस्ट मैच के लिए प्लेयर्स को 15 लाख रुपए मिलते हैं।

बोर्ड ने पिछले दिनों प्लेयर्स की नई कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट भी जारी की। इसमें अनुभवी श्रेयस अय्यर और युवा ईशान किशन को रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेलने के कारण बाहर कर दिया गया।

गावसकर ने कहा था- रणजी फीस 2 से 3 गुना बढ़नी चाहिए

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावसकर ने पिछले दिनों कहा भी था कि रणजी प्लेयर्स की फीस 2 से 3 गुना तक बढ़नी चाहिए। इससे रेड-बॉल क्रिकेट खेलने के लिए खिलाड़ी इंस्पायर होंगे और इस फॉर्मेट पर ज्यादा ध्यान लगाएंगे।

मूवीज बहुत देखी हैं लेकिन... ऋषभ पंत की वापसी पर सूर्या का पोस्ट हुआ वायरल

नई दिल्ली।
भारतीय क्रिकेट और दिल्ली कैपिटल्स के लिए दिन भावुक पल वाला रहा जब ऋषभ पंत ने 454 दिन के बाद क्रिकेट एक्शन में वापसी की। दिसंबर 2022 में कार एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल हुए पंत ने पूरी तरह ठीक होने के बाद मैदान पर वापसी की। कहना गलत नहीं होगा कि पंत एक नई जिंदगी लेकर लौटे।

पंत की जहां तक बात है तो उनके प्रदर्शन से ज्यादा मायने मैदान पर वापसी रखती थी। हालांकि, पंत ने मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देने की कोशिश की और टीम में नई ऊर्जा लेकर आए। पंत की वापसी से सूर्यकुमार यादव बेहद खुश हुए और उन्होंने एक विशेष पोस्ट किया, जो कि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सूर्या का वायरल पोस्ट

स्काई के नाम से मशहूर सूर्यकुमार यादव ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, हम सभी को इसी पल का इंतजार था। प्रेरणादायी फिल्में बहुत देखी हैं, पर इस रीयल लाइफ स्टोरी का कोई तोड़ नहीं। पता हो कि जब ऋषभ पंत क्रीज पर बैटिंग करने आए तो मैदान में दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाई और उनका स्वागत किया।

दिल्ली नहीं जीत पाई दिल

हालांकि, पंत की वापसी का जश्न दिल्ली कैपिटल्स की टीम जीत के साथ नहीं मना पाई। मुल्लांपुर में खेले गए मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 174 रन बनाए। जवाब में पंजाब किंग्स ने 19.2 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया।

पंत के व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 13 गेंदों में दो चौके की मदद से 18 रन बनाए। इसके अलावा पंत ने एक स्टंपिंग की और एक कैच लपका। पंत के पास मौका है कि वो मौजूदा आईपीएल में दमदार प्रदर्शन करके इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में जगह पक्की कर सके।

तब यशस्वी को लगा उनका करियर समाप्त हो गया : कोच ज्वाला

मुम्बई।
टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही शानदार प्रदर्शन करने वाले यशस्वी जायसवाल आज भारतीय टीम में अपनी जगह बना चुके हैं। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में हुई टेस्ट सीरीज में दो दोहरे शतक लगाकर अपने को साबित किया है। वह इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। यशस्वी आज सफलता की राह पर लगातार आगे बढ़ रहे हैं पर एक समय ऐसा भी था जब उन्हें अपना करियर खतरे में नजर आने लगा था। तब यशस्वी इतने हताश थे कि कोच से बात करने के दौरान ही रोने लगे थे। उनके बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने कहा, जब यशस्वी 2021 में दुबई में हुए आईपीएल से वापस आया तो बेहद परेशान था। उसने मुझे फोन पर ही रोते हुए कहा, 'सर, मेरा क्रिकेट खत्म हो गया है। मुझे नहीं लगता कि मैं ऊंचे स्तर पर तक जा पाउंगा। तब वह ज्यादा आक्रामक खिलाड़ी नहीं था। वह

बस कुछ अच्छे शॉट खेलता था। तब कोरोना संक्रमण का दौर था। मैं उसे गोरखपुर ले गया, और मैं उससे कहा कि स्पिनरों के खिलाफ एक बड़े मैदान में जितना हो सके उतने छक्के मारो। कोच ने साथ ही कहा, आप उसमें आज जो प्रगति देख रहे हो वो 2020-21 में ही हो गयी थी। इसलिए कि हमनें प्रैक्टिस की। जब वह आईपीएल के लिए जाता था तो मैं उससे अलग अलग परिस्थितियों में गेंदबाजी कराता था। मैं उसे हर प्वाइंट्स पर शॉट मारने के लिए कहता था।

श्रीकांत सेमीफाइनल में पहुंचे, क्वार्टर फाइनल में ताइवान के ली को 21-10, 21-14 से हराया

नई दिल्ली। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने ताइवान के चिया हाओ ली को हराकर स्विस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वह 16 महीने में पहली बार किसी टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे हैं। इससे पहले वह नवंबर 2022 में हालो ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। इस सीजन में अपना आठवां टूर्नामेंट खेल रहे श्रीकांत ने ली को 35 मिनट में 21-10, 21-14 से पराजित किया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता गंटूर के 31 साल के श्रीकांत का मुकाबला अब ताइवान के ही दुनिया के 22वें नंबर के चुन यी से होगा। श्रीकांत ने इस टूर्नामेंट में अपने खेल में काफी सुधार किया है। नेट पर भी वह अपने प्रतिद्वंद्वियों को छकाने में पहले से ज्यादा सफल हो रहे हैं। इस टूर्नामेंट में लय में वापसी का फायदा उन्हें अगले महीने होने वाले थामस कप में फायदा मिल सकता है, जब भारतीय पुरुष टीम अपना खिताब बचाने उतरेगी।

मेसी के नाम पर आतंकियों ने 90 साल की क्यूनियो को छोड़ा , सेल्फी खिंचाई

तेल अवीव।
अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी की लोकप्रियता इस कदर है कि आतंकी भी उनके प्रशंसक हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इजरायल की एक बूढ़ी महिला ने मेसी का नाम लेकर आतंकियों से अपनी जान बचायी। 90 साल की एस्थर क्यूनियो ने कहा कि 7 अक्टूबर को हमले के दौरान दो हमास आतंकी उनके घर में घुस आए थे। इस दौरान महिला ने उन बंदूकधारियों से जब कहा कि मैं वहीं से हूं, जहां के मेसी हैं तो वह प्रभावित हो गये। मेसी का नाम सुनते ही हमास के आतंकी बंदूक रखकर उनके साथ तस्वीर खिंचाने लग गये। क्यूनियो ने बताया कि उस दिन गाजा सीमा के पास हमास के आतंकवादियों ने जोरदार हमला किया था। इजरायली नागरिकों की हत्या की जा रही थी, जिसमें किबुत्ज नीर ओज भी शामिल था। इसी जगह पर एस्थर क्यूनियो रह रही थीं। हालांकि, क्यूनियो का जन्म अर्जेंटीना में हुआ था। उन्होंने इन हमलों को लेकर एक नई डॉक्यूमेंट्री में उस भयावह घटना के बारे में बताया है।

इस बूढ़ी महिला ने बताया कि 7 अक्टूबर को हमास के दो हथियारबंद आतंकवादी उनके घर में घुस गए और पूछने लगे कि उनके परिवार के बाकी लोग कहा हैं। इस पर महिला ने कहा, मुझसे बात मत करो, क्योंकि मैं तुम्हारी भाषा नहीं जानती। तुम अरबी बोलते हो और मैं खराब हिब्रू बोलती हूं। महिला ने कहा, मैं अर्जेंटीनियन स्पेनिश ही बोल सकती हूं। इस पर हमास के उन दोनों आतंकवादियों ने पूछा, ये अर्जेंटीना क्या है इस पर महिला ने अपनी टूटी-फूटी हिब्रू, स्पैनिश और इशारों के साथ हमास के आतंकवादियों से बात करते हुए मेसी की ओर संकेत किये।

महिला ने हमास के उन दोनों आतंकवादियों से कहा, क्या तुम

फुटबॉल देखते हो इस पर आतंकियों ने कहा, हां, हां, मुझे फुटबॉल पसंद है। इस पर महिला ने कहा कि वह उस देश से हैं, जहां से मेसी हैं। इतना सुनते ही एक हमास आतंकी उस महिला पर झुक गया। उसने अपनी असॉल्ट राइफल उनकी गोद में रख दी और दूसरे आतंकी ने उनकी फोटो खींची। इसके बाद वे दोनों आतंकी महिला के घर से चले गए।

खेल संघों पर अब सरकार का पहरा, बिना मान्यता के लगेगा जुर्माना; मनमानी पर लगेगी लगाम

चंडीगढ़।
हरियाणा में अब राज्य या जिला स्तर पर कोई भी खेल संघ बगैर मान्यता के नहीं चलाया जा सकेगा। खेल संघों पर हावी राजनीति और खिलाड़ियों के आर्थिक शोषण की लगातार शिकायतों पर एक्शन लेते हुए प्रदेश सरकार ने खेल संघों की मनमानी रोकने के लिए इनका पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। विधानसभा के बजट सत्र में पारित हरियाणा राज्य खेल संघ (पंजीकरण और विनियमन विधेयक) पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की मुहर के बाद विधि और विधायी विभाग की प्रशासनिक सचिव रितू गर्ग ने नए नियमों की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ नया कानून लागू हो गया है। खेल संघों को मान्यता देने के लिए हरियाणा खेल पंजीकरण परिषद और क्षेत्रीय खेल पंजीकरण परिषद बनाई जाएंगी। बगैर पंजीकरण के राज्य स्तर का खेल संघ चलाने पर पांच से दस

लाख रुपये तक जुर्माना किया जाएगा। इसी तरह क्षेत्रीय स्तर के अपंजीकृत खेल संघ पर 50 हजार रुपये से एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रविधान किया गया है।

जिला खेल अधिकारी होंगे सदस्य सचिव - अंतरराष्ट्रीय स्तर के हरियाणवी खिलाड़ी या फिर न्यूनतम 25 साल का सामान्य प्रशासन या कानून का अनुभव रखने वाले व्यक्ति की अध्यक्षता में हरियाणा खेल रजिस्ट्रेशन काउंसिल बनाई जाएगी, जिसमें खेल निदेशक सदस्य सचिव होंगे। राज्य स्तर के सभी खेल संघों को इस काउंसिल में रजिस्ट्रेशन कराना होगा जो तीन साल के लिए मान्य होगा। इसके बाद उसे फिर मान्यता रिन्यू करानी होगी। इसी तरह खेल संघों को क्षेत्रीय स्तर पर मान्यता के लिए मंडलायुक्त स्तर के अधिकारी की अगुवाई में क्षेत्रीय खेल रजिस्ट्रेशन काउंसिल बनाई जाएंगी। जिले के उपायुक्त इसमें सदस्य होंगे, जबकि जिला खेल अधिकारी को सदस्य सचिव की जिम्मेदारी दी जाएगी।

गैर मान्यता प्राप्त खेल संघों से जुड़े खिलाड़ियों को न नौकरी, न कोई आर्थिक लाभ - नया कानून लागू होने के बाद अब प्रदेश में कोई भी खेल संघ पंजीकरण कराए बिना किसी तरह की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं कर सकेगा और न ही खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देगा। गैर पंजीकृत खेल संघों को खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कराने की अनुमति नहीं होगी। गैर मान्यता प्राप्त खेल संघों से जुड़े खिलाड़ियों को न सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता मिलेगी और न उन्हें कोई इनामी राशि या आर्थिक सहायता दी जाएगी।

खिलाड़ियों की शिकायतों पर होगी जांच - खेल परिषदों को खिलाड़ियों की ओर से की जाने वाली शिकायतों की जांच का अधिकार दिया गया है। इन खेल परिषदों को अपनी देखरेख में चैंपियनशिप, प्रशिक्षण और रिकॉर्ड की जांच करने का अधिकार होगा। खेल संघों के कामकाज के आकलन के साथ ही उनकी जवाबदेही भी रहेगी। पंजीकृत जिला स्तरीय संघों को राज्य चैंपियनशिप में भाग लेने का अधिकार होगा, जबकि पंजीकृत राज्य स्तरीय संघों को राष्ट्रीय खेल आयोजनों में भाग लेने का अधिकार होगा।

होली के रंग मिलें रस के संग

हर बाधा हटाएं, होली पर अपनाएं खास उपाय

होली एक ऐसा रंगबिरंगा त्योहार है, जिस हर धर्म के लोग पूरे उत्साह और मस्ती के साथ मनाते हैं। प्यार भरे रंगों से सजा यह पर्व हर धर्म, संप्रदाय, जाति के बंधन खोलकर भाई-चारे का संदेश देता है। इस दिन सारे लोग अपने पुराने गिले-शिकवे भूल कर गले लगते हैं और एक दूजे को गुलाल लगाते हैं। बच्चे और युवा रंगों से खेलते हैं। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को यह त्योहार मनाया जाता है। होली के साथ अनेक कथाएं जुड़ीं हैं। होली मनाने के एक रात पहले होली को जलाया जाता है। इसके पीछे एक लोकप्रिय पौराणिक कथा है। भक्त प्रह्लाद के पिता हरिण्यकश्यप स्वयं को भगवान मानते थे। वह विष्णु के विरोधी थे जबकि प्रह्लाद विष्णु भक्त थे। उन्होंने प्रह्माद को विष्णु भक्ति करने से रोका जब वह नहीं माने तो उन्होंने प्रह्माद को मारने का प्रयास किया। प्रह्माद के पिता ने आखर अपनी बहन होलिका से मदद मांगी। होलिका को आग में न जलने का वरदान प्राप्त था। होलिका अपने भाई की सहायता करने के लिए तैयार हो गई। होलिका प्रह्लाद को लेकर चिता में जा बैठी परन्तु विष्णु की कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित रहे और होलिका जल कर भस्म हो गई। यह कथा इस बात का संकेत करती है की बुराई पर अच्छाई की जीत अवश्य होती है। आज भी पूर्णिमा को होली जलाते हैं, और अगले दिन सब लोग एक दूसरे पर गुलाल, अबीर और तरह-तरह के रंग डालते हैं। यह त्योहार रंगों का त्योहार है। इस दिन लोग प्रात:काल उठकर रंगों को लेकर अपने नाते-रिश्तेदारों व मित्रों के घर जाते हैं और उनके साथ जमकर होली खेलते हैं। बच्चों के लिए तो यह त्योहार विशेष महत्व रखता है। वह एक दिन पहले से ही बाजार से अपने लिए तरह-तरह की पिचकारियां व गुब्बारे लाते हैं। बच्चे गुब्बारों व पिचकारी से अपने मित्रों के साथ होली का आनंद उठाते हैं। सभी लोग बैर-भाव भूलकर एक-दूसरे से परस्पर गले मिलते हैं। घरों में औरतें एक दिन पहले से ही मिठाई, गुझिया आदि बनाती हैं व अपने पास-पड़ोस में आपस में बांटती हैं। कई लोग होली की टोली बनाकर निकलते हैं उन्हें हुरियारे कहते हैं।

होली उत्साह का प्रमुख पर्व है। देश के लगभग प्रत्येक भाग में यह त्योहार मनाया जाता है। धार्मिक दृष्टि से भी इसका बहुत महत्व है। वर्षभर में आने वाली त्रि-राशियों में से एक होली की रात्रि भी है जिसमें किए गए सभी धार्मिक अनुष्ठान, मंत्र, जाप, पाठ आदि सिद्ध, अक्षुण्ण हो जाते हैं जिनका फल जीवनपर्यंत कर्ता के प्राप्त होता है। पुराणों में एक प्रचलित कथा के अनुसार राजा हिरण्यकश्यप ईश्वर-विरोधी थे किंतु उनका पुत्र प्रहलाद ईश्वर का अनन्य भक्त था। पिता के मना करने पर भी वह भगवान में आस्था रखता था अत: उसे मरवाने के लिए राजा ने अपनी बहन होलिका को अपने पुत्र को गोद में लेकर जलती लकड़ियों पर बैठ प्रहलाद को भस्म करने के लिए कहा। होलिका को देवताओं से वरदान मिला था कि वह आग से नहीं जल सकती, किंतु भगवान ने भक्त प्रहलाद की रक्षा की और गलत कार्य करने वाली होलिका अग्नि में जल गई। तब से प्रतिवर्ष होलिका दहन किया जाता है एवं एक-दूसरे को रंग लगाकर प्रसन्नता व्यक्त की जाती है। इस होली की अग्नि में अपनी सभी शारीरिक, मानसिक व्याधि, किसी प्रकार की सफलता में रुकावट, आर्थिक कष्ट, अला-बला एवं सभी बाधाओं का नाश करने के लिए एक सरल एवं प्रभावकारी उपाय है जिसे कोई भी आसानी से कम खर्च में करके अपनी सभी बाधाओं को होली की अग्नि में भस्म करके जीवन को सुगम बना सकता है। इस प्रयोग को करते समय शुद्धता, पवित्रता का विशेष ध्यान रखें। गोपनीयता इस प्रयोग की सफलता के लिए अति आवश्यक है। बिना किसी को भी बताए यह क्रिया करनी चाहिए। इसके लिए होलिका दहन के पूर्व स्नान कर शुद्ध, स्वच्छ वस्त्र धारण कर एक श्रीफल अपने एवं परिवार के सदस्यों के ऊपर से सात बार घड़ी की सुई की दिशा में उतारें। यदि किसी सदस्य को अधिक परेशानी है तो उनके लिए अलग से श्रीफल उतारें। अब अपने अभीष्ट देवता का ध्यान करके अपनी समस्या को उन्हें बताकर श्रीफल होलिका में डाल दें एवं होलिका की सात प्रदक्षिणा करके परेशानी दूर करने की प्रार्थना करें एवं अपने एवं परिवार के लिए स्वास्थ्य, यश, दीर्घायु, धन, लाभ आदि की कामना करके हाथ जोड़कर प्रणाम करें तथा घर आकर अपने ईष्टदेव को प्रणाम करें तथा घर के सभी बड़े-बुजुर्गों से आशीर्वाद लें। भगवान को फल, मिष्ठान्न आदि का यथाशक्ति भोग लगाकर स्वयं ग्रहण करें। इस प्रयोग के कर्ता को उस दिन किसी प्रकार का नशा या मांसाहार का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इस प्रयोग के प्रभाव एवं भगवान की कृपा से सारी समस्याएं जो आपके जीवन में हैं, वह होली की अग्नि में स्वाहा हो जाएगी तथा आपका जीवन सरल, सुगम एवं समृद्धिशाली हो जाएगा।

दुसेरपुर में 165 सालों से नहीं मनाया जाता होली का त्योहार

उपमंडल गुहला के गांव दुसेरपुर में होली के हर्षोल्लास पर भी सन्नाटा पसरा है। यहां 165 सालों से होली का पर्व नहीं मनाया जाता। ग्रामीणों के अनुसार एक दिन गांव में ऐसी घटना घटी, जिसने उनकी होली मनाने की सारी उम्र की खुशियां ही छीन ली। जिस दिन घटना घटी उस दिन गांव के लोगों में होली मनाने के लिए हर्षोल्लास था। लोगों ने एक स्थान चुनकर होलिका दहन की तैयारी कर रखी थी। होलिका दहन के निश्चित समय से पहले गांव के ही कुछ युवा होलिका दहन करने लगे। इसी दौरान वहां मौजूद बाबा श्रीराम स्नेही ने उन्हें समय से पहले होलिका दहन करने से रोकना चाहा। बाबा छोटे कद के थे। वहां पर मौजूद युवा न केवल उसके छोटे कद का मजाक उड़ाने लगे, बल्कि उन्होंने समय से पहले ही होली का दहन भी कर दिया, जिस पर उक्त बाबा आग बबूला हो गया और उन्होंने जलती होली में ही छलांग लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बाबा ने होलिका में जलते-जलते गांव के लोगों को श्राप भी दे दिया कि आज के बाद इस गांव में होली नहीं मनेगी। किसी ने होली मनाई तो उसे इसका खमियाजा भुगतना पड़ेगा। लोगों ने बाबा से गलती के लिए माफी मांगी, परंतु बाबा ने माफी देने से इन्कार कर दिया। गांव वालों को श्राप से मुक्त होने का वरदान देते हुए बाबा ने कहा कि होली वाले दिन गांव में किसी भी ग्रामीण की गाय को बछड़ा और किसी भी बहू को एक ही समय पर लड़का पैदा होगा तो उस दिन के बाद गांव के लोग स्वत: ही श्राप से मुक्त हो जाएंगे। जहां प्राण त्यागे वहीं बना दी बाबा की समाधि गांव के लोगों ने बताया कि यह कहकर बाबा तो परलोक सिधार गए, परंतु 165 वर्ष बीत जाने के बाद आज तक गांव में होली का पर्व नहीं मनाया गया।

इन रंगों से लड्डू गोपाल के साथ खेलें होली, जीवन सदैव रहेगा खुशहाल

हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है होली। यह पर्व हर साल फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। इस त्योहार के दिन गली-मोहल्ले में अलग ही रौनक देखने को मिलती है। इस वर्ष होली का पर्व 25 मार्च को मनाया जाएगा। इस दिन लोग दूसरे को गुलाल और रंग लगा कर होली खेलते हैं। होली खेलने की शुरुआत लोग अपने लड्डू गोपाल और देवी-देवता के साथ करते हैं। अगर आप भी इस बार लड्डू गोपाल के साथ होली खेलने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो इससे पहले आप यहां जान लें उन्हें कौन सा रंग लगाना शुभ होता है। भगवान विष्णु जी का प्रिय रंग पीला है और भगवान श्री कृष्ण विष्णु जी के अवतार हैं, तो ऐसे में होली के अवसर लड्डू गोपाल को पीला रंग लगा सकते हैं। मान्यता है कि इस पीले रंग से होली खेलकर लड्डू गोपाल का आशीर्वाद प्राप्त होगा। इसके अलावा लड्डू गोपाल गुलाबी, हरा और लाल रंग लगा सकते हैं। इन रंगों के साथ लड्डू गोपाल के साथ होली खेलना शुभ माना जाता है और घर में सुख और समृद्धि का आगमन होता है। यही वजह है कि लड्डू गोपाल को होली के दिन इन रंगों को अर्पित करना चाहिए। इससे साधक का जीवन सदैव खुशहाल होता है। साथ ही सभी तरह के संकटों से मुक्ति मिलती है। ज्योतिषियों की मानें तो होलिका दहन का समय 24 मार्च को देर रात 11 बजकर 13 मिनट से लेकर 12 बजकर 27 मिनट तक है। इसके अगले दिन होली मनाई जाती है। अत: वर्ष 2024 में 25 मार्च को होली मनाई जाएगी। इस दिन देशभर में होली का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**